जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 328 प्रभात कोटा, गुरुवार 11 सितम्बर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सुप्रीम कोर्ट के मु. न्यायाधीश गवई ने चेताया राज्यपालों की भूमिका पर

मुख्य न्यायाधीश ने नेपाल का उदाहरण देकर कहा, अगर सरकार के दो स्तम्भों, विधायिका व प्रशासन में आपस में गतिरोध अनियंत्रित रहे तो उसका परिणाम अस्थिरता व अनिश्चितता होती है, जो पड़ोसी देश नेपाल में देखी जा रही है।

- जाल खंबात -

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 10 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक दुर्लभ और कड़ी टिप्पणी करते हुए केन्द्र सरकार को चेतावनी दी है कि राज्यपालों द्वारा राज्य विधेयकों को मंजूरी देने में हो रही देरी पर विचार करते समय उसे भारत के पड़ोस, विशेष कर नेपाल, में हो रही घटनाओं को ध्यान में रखना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने राष्ट्रपति से जुड़े एक संदर्भ की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की, जिसने राजनीतिक और क़ानूनी हलकों में हलचल मचा दी है। कहीं चिंता जताई जा रही है तो कहीं इसे सही ठहराया जा रहा है।

- जैसा कि, विदित ही है, सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह मामला प्रस्तुत है, कि क्या राज्यपाल असीमित समय तक उनके सम्मुख विधानसभा से पारित विधेयक को पेंडिंग रख सकते हैं।
- मुख्य न्यायाधीश की इस मामले में चेतावनी जैसी टिप्पणी से विपक्ष काफी प्रसन्न है, तथा यह महसूस कर रहा है, जैसे कि सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रकरण में उनके पक्ष व तर्क का मूक समर्थन किया है।

यह मामला सुप्रीम कोर्ट के 12 अप्रैल के आदेश से जुड़ा है, जिसमें राज्यपालों और भारत के राष्ट्रपति के लिए राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों से निपटने की समय सीमा तय की गई थी। इस फ़ैसले का मक़सद था, ऐसे विधेयकों पर अनिश्चित काल तक कोई कार्रवाई नहीं होने की प्रवृत्ति को रोकना।

केन्द्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राज्यपालों की विवेकाधिकार शक्तियों का ज़ोरदार बचाव किया। लेकिन मुख्य न्यायाधीश गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सवाल उठाया कि राज्यपाल महीनों तक विधेयकों को रोकर क्यों रखते हैं, कभी-कभी तो संविधान में तय एक महीने की सीमा से भी अधिक समय तक।

इसी संदर्भ में अदालत ने यह नसीहत दी, "हमें यह देखना होगा कि हमारे पड़ोस में क्या हो रहा है"। क़ानून विशेषज्ञों ने इसे नेपाल की ओर इशारा माना, जहाँ कार्यपालिका और विधायिका के बीच बार-बार के टकराव ने राजनीतिक अस्थिरता पैदा की है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नेपाल का हवाला देना, याद दिलाने और चेतावनी, दोनों के तौर पर देखा जा रहा है, कि भारत सरकार को भी ऐसे संस्थागत टकराव से बचना होगा।

इस टिप्पणी ने तीव्र राजनीतिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया है। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने कोर्ट की बात का स्वागत करते हुए मोदी सरकार से अपील की कि संघीय ढाँचे को कमज़ोर करने के ख़तरे को गंभीरता से लें। उनका कहना था कि राज्यपालों को विपक्ष-शासित राज्यों में विधायी प्रक्रिया रोकने के लिए लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल में 15,000 कैदी जेल से फरार

काठमांडू, 10 सितंबर। नेपाल में बीते दो दिनों में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की उग्र लहर के चलते जेलों में बंद करीब 15 हज़ार से ज्यादा कैदी फरार हो चुके हैं।

इसे विश्व इतिहास में जेल तोड़कर भागने की सबसे बड़ी घटना माना जा रहा है। गिनीज़ वर्ल्ड रिकार्ड के अनुसार इससे पहले 1979 में ईरान में हुए तख्ता पलट में करीब 11 हज़ार कैदी भाग गए थे।

- हिंसक प्रदर्शनों के बीच आंदोलनकारियों ने जेलों पर धावा बोल दिया। इसमें 15,000 से ज्यादा कैदियों के भागने की खबर है। जेल से भागने की यह संभवतया इतिहास की सबसे बड़ी घटना है।

जेलें तोड़ने की शुरुआत तब हुई जब युवा प्रदर्शनकारियों ने कई जेलों में धावा बोल दिया और उनके प्रशासनिक भवनों में आग लगा दी। इन लोगों ने जेल के दरवाज़े जबरन खोल दिए। बुधवार शाम तक, प्रारंभिक रिपोर्टों ने पुष्टि की कि 25 से ज़्यादा जेलों से 15,000 से ज़्यादा कैदी भाग गए थे, जिनमें से केवल कुछ ही स्वेच्छा से लौटे या उन्हें फिर से गिरफ़्तार किया गया।

पोलैण्ड ने रुस के ड्रोन को मार गिराने का दावा किया

रुस ने, जैसा कि विदित ही है, अब तक का सबसे बड़ा प्रहार किया यूक्रेन पर, ड्रोन व हवाईजहाजों की बमबारी से

-अंजन रॉय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितंबर। हर गुज़रते दिन के साथ यूरोप में शांति कम होती जा रही है तथा एक गंभीर युद्ध छिड़ने की आशंकाएं बढ़ती जा रही हैं। प्रथम विश्व युद्ध की पूर्व संध्या पर ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश सचिव अर्ल ग्रे ने भविष्यवाणी करते हुए शोक व्यक्त किया था, कि "यूरोप भर में रोशनी बुझ रही है। हो सकता है कि हम इन्हें अपनी ज़िंदगी में दोबारा जलते हुए न देखें।"

पोलैंड ने बुधवार को घोषणा की कि उसने रविवार को अपने आसमान में रूसी ड्रोन मार गिराए, जब रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। शांति और समाधान की ओर कुछ छोटे कदम उठने के बजाय, हालात और अंधकारमय होते जा रहे हैं।

- पोलैण्ड के हवाई क्षेत्र (एयर स्पेस) में जो ड्रोन पहुंचे, वो रुस के यूक्रेन पर किये गये भारी ड्रोन आक्रमण के, बिखरे हुए ड्रोन ही हैं।
- पोलैण्ड, नाटो देशों का आव्हान कर रहा है, कि वे अपने नाटो के सदस्य के रुप में किये वादे को पूर्ण करने की दृष्टि से अब रुस पर आक्रामक कार्यवाही करें।
- रुस इन वादों की पूर्ति तथा और आक्रामक होने की धमकी को कतई गंभीरता से नहीं ले रहा है।
- ये सब संकेत हैं, तृतीय विश्वयुद्ध की तारीख नज़दीक होने के।
- अमेरिका, यूरोपीय देशों को प्रोत्साहित कर रहा है, कि चीन व भारत पर दंडात्मक टैरिफ लगाये।
- हालात, सभी देशों को युद्ध की ओर घसीट रहे हैं।

स्थिति और ख़तरनाक बनती जा रही है, क्योंकि एक पक्ष, पश्चिमी सहयोगी और अमेरिका, केवल रूस के खिलाफ कार्रवाई की धमकियाँ दे रहा है, वहीं दूसरी ओर रूस बिना किसी डर और रोक-टोक के अपनी स्थिति और सख़्त कर रहा है, मानो उसे पश्चिमी धमकियों की कोई परवाह ही नहीं।

सैन्य गतिविधियों में तेजी और व्यापक सक्रिय टकराव पूरे महाद्वीप में किसी बड़े संघर्ष की आशंका को और बढ़ा रहे हैं। रूस साफ़ तौर पर एक निर्णायक जीत दिखाने की बेचैनी में शत्रुता का स्तर बढ़ा रहा है और यूक्रेन को नुक़सान पहुँचा रहा है। अब पड़ोसी देशों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

पोलैंड अब शत्रुता के विस्तार में सबसे आगे खड़ा दिखाई दे रहा है, और पोलैण्ड के आसमान में अब तक हुई घुसपैठ, उत्तरी एटलांटिक संधि संगठन 'नाटो' को, अपने सामूहिक रक्षा समझौते को लागू करने की चुनौती दे रही है। नाटो सदस्य देशों ने संगठन में शामिल होते समय शपथ ली थी कि किसी एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा।

पुतिन यह संदेश दे रहे हैं कि वे किसी भी क़ीमत पर यूक्रेन में अपना लक्ष्य हासिल करने पर आमादा हैं। तीव्र होते संघर्ष से वे यह जताना चाहते हैं कि अगर यूरोपीय सहयोगी अपने सैनिक भेजते हैं या और सक्रिय हस्तक्षेप करते हैं, तो वे उनसे भी लड़ने को तैयार हैं।

पश्चिमी यूरोपीय देशों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या नेपाल की पहली चीफ जस्टिस सुशीला कार्की अतंरिम सरकार की मुखिया होंगी?

जैनरेशन ज़ैड ने सुशीला कार्की का नाम प्रस्तावित किया है पर अभी चर्चा चल रही है

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितंबर। सरकार और राजनीतिक दलों के नेताओं के कथित भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद, नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की अब अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए सबसे मजबूत उम्मीदवार के रूप में उभर रही हैं।

उनका नाम जेनरेशन ज़ैड द्वारा प्रस्तावित किया गया है और इस पर विचार-विमर्श अभी भी जारी है।

- प्रधानमंत्री ओली के भाग जाने के बाद यही चर्चा चल रही है कि अंतरिम सरकार का नेता कौन होगा। नेपाल के एक एनजीओ "हामी नेपाल" के सुदीप गुरूंग, जो कि जैनरेशन ज़ैड आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं, ने कार्की के नाम का प्रस्ताव रखा।
- भ्रष्ट नेताओं पर सख्त कार्यवाही के कारण उन पर महाभियोग तक चलाने का प्रयास किया गया था।
- अतंरिम सरकार के नेतृत्व के लिए काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह, धरान के मेयर हरका सम्पर्ग, सागर धाकाल और राष्ट्र बिमोचन तिमलसेना का नाम भी चर्चा में है।

युवा पीढ़ी के हिंसक प्रदर्शनों ने नेपाल को अराजकता में डाल दिया, जिससे पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को कल इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद नेपाली सेना ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप किया। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायक ऋतु बनावत कैलाश यात्रा में फंसी

भरतपुर, 10 सितम्बर। विधायक ऋतु बनावत कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान चीन-नेपाल बॉर्डर के पुरांग क्षेत्र में फंस गई हैं।

3 से 11 सितंबर तक की इस यात्रा के अंतिम चरण में नेपाल में चल रहे विद्रोह और अस्थिर हालात के चलते, यात्रा दल को रोक दिया गया है। राहत की बात है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बैंढ म ने तुरंत एक्शन लिया है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि घबराएं नहीं, हर यात्री को सुरक्षित वापस लाया जाएगा। ऋतु बनावत भरतपुर जिले के बयाना रूपवास क्षेत्र से विधायक हैं।

- नेपाल के अस्थिर हालात के कारण यात्रा दल को चीन - नेपाल बॉर्डर पर पुरांग क्षेत्र में रोक दिया गया।

क्या मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना नीतीश का मास्टर स्ट्रोक साबित होगी?

महिला सशक्तिकरण की योजना का मूल संदेश है महिला वोट बैंक को साधना

- जाल खंबाता -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की "मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना" को महिलाओं की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और कदम के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, लेकिन इसके पीछे छुपा बिहार चुनाव का संदेश भी साफ झलकता है।

यह वादा दिखने में भले ही सीधा-सादा लगे, लेकिन इसका असर बहुत गहरा हो सकता है, आज 10,000 रुपये और भविष्य में 2 लाख रुपये तक की सहायता। हर बिहारी परिवार की एक महिला, यदि वह और उसका पति आयकर दाता नहीं हैं, को स्व-रोजगार शुरू करने के लिए प्रारंभिक राशि (सीड मनी) दी जाएगी। छह महीने बाद, अगर व्यवसाय में संभावना दिखती है, तो सरकार 2 लाख रुपये की पूंजी निवेश सहायता देगी।

- सरकार में आने के बाद से नीतीश ने नशाबंदी लागू करना, पंचायत व शहरी निकाय में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देना, पुलिस व सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण देना तथा छात्राओं को साइकिल व स्कॉलरशिप देने जैसी योजनाएं लागू कर अपना मजबूत महिला वोट बैंक खड़ा किया है, जो जातिवादी राजनीति की काट भी साबित हुआ है।
- इस वोट बैंक का नीतीश को लाभ भी मिला है। हर बार चुनावों में पोलिंग बूथ पर महिलाओं की लम्बी कतारें इस बात का प्रमाण हैं। बिहार में महिलाएं नीतीश के लिए किंगमेकर की भूमिका में नज़र आ रही हैं।

7 सितंबर से शुरू हुई इस योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया खुली है। इसे एक ऐसा प्रयास बताया जा रहा है, जो महिलाओं को स्वरोजगार, आत्मनिर्भरता और उद्यिमता की ओर बढ़ाएगा। लेकिन इसका राजनीतिक संदेश भी साफ है, उन विधानसभा क्षेत्रों की महिला मतदाताओं का सशक्तिकरण और समर्थन सुनिश्चित करना, जिन्होंने बीते दो दशकों से नीतीश कुमार का साथ दिया है।

नीतीश कुमार ने नवंबर 2005 में मुख्यमंत्री बनने के बाद से लगातार महिलाओं को अपनी स्थायी राजनीतिक आधारशिला बनाने की दिशा में काम किया है। सामाजिक कल्याण से लेकर शिक्षा तक, शराबबंदी से लेकर शासन में आरक्षण तक, नीतीश की राजनीति ने महिलाओं को बिहार की राजनीतिक कहानी के केन्द्र में ला खड़ा किया है।

जहां लंबे समय से चुनावी गणित का आधार जाति रही है, वहीं नीतीश ने इसके जवाब में लिंग आधारित वोट बैंक तैयार किया, जो भारतीय राजनीति में एक अनूठा मॉडल बन गया है।

यह नई योजना कोई अलग पहल नहीं है, बल्कि उस कल्याणकारी रणनीति का विस्तार है, जिसे नीतीश वर्षों से गढ़ते आ रहे है। पंचायतों और शहरी निकायों में महिलाओं को दिये गये 50 प्रतिशत आरक्षण ने जमीनी लोकतन्त्र का कायाकल्प कर दिया है। पुलिस भर्ती और सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण से सरकारी नौकरियों और विभागों का स्वरुप ही बदल गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान सरकार ने विशेष सैल बनाया व हैल्प लाइन नंबर जारी किये

जयपुर, 10 सितम्बर। नेपाल में हाल ही में हुई हिंसात्मक घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने वहां रह रहे प्रवासी राजस्थानियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। मुख्यमंत्री ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से सीधे बातचीत कर मौजूदा हालात की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि नेपाल में उत्पन्न हालात हृदय-विदारक हैं और राज्य सरकार वहां मौजूद हर राजस्थानी नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

- मुख्यमंत्री भजन लाल ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से बात कर निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर राजस्थान पुलिस मुख्यालय में एक विशेष सैल का गठन किया गया है, जो नेपाल में फंसे भारतीयों की सहायता के लिए कार्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका भी पूरी रुचि ले रहा है, नेपाल में सत्ता परिवर्तन हो और, उसका "आदमी" प्र.मंत्री की कुर्सी पर बैठे

अमेरिका ने अपने पिछलग्गू राजनीतिज्ञों में से तीन को चुना है प्र.मंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितंबर। नेपाल में राजनीतिक नैतिकता की भारी कमी को लेकर लंबे समय से आक्रोश पनप रहा है। बीते 17 वर्षों में नेपाल में 14 प्रधानमंत्री बदले जा चुके हैं। आम धारणा यह है कि सभी दल सत्ता लोलुप, भ्रष्ट और भाई-भतीजावादी हैं।

हर साल औसतन 8 लाख युवा नेपाल छोड़ते हैं, न केवल उच्च वेतन और मध्यम दर्जे की नौकरियों के लिए बल्कि दिहाड़ी मजदूरी तक के लिए।

बेरोजगारी बहुत अधिक है और भआरी गरीबी है। यही कारण है कि देश में बड़े पैमाने पर असंतोष पनपा है। ओली सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर लगाया गया प्रतिबंध, जो कि नेपाल के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के एक साल बाद लागू किया गया, जैनरेशन ज़ैड को स्वीकार नहीं था, यह आखिरी तिनका साबित हुआ- जिसने सब्र का बांध तोड़ दिया।

आज के उन्य देशों की तरह नेपाल में भी युवा अपनी भावना की अभिव्यक्ति, मनोरंजन और संवाद के लिए सोशल मीडिया निर्भर रहते हैं। ओली को नेपाल में एक अधिनायकवादी नेता के रूप में देखा जाता है। सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए उन्होंने उस पर बैन लगाया। जिससे युवा वर्ग भारी नाराज हो गया और उन्होंने इसे अलोकतांत्रिक कदम करार दिया।

इस पूरे घटनाक्रम में शासन परिवर्तन के ऑपरेशन के संकेत मिलते हैं।

एक है रवि लामिछाने जो दिसंबर 2022 से जनवरी 2023 तक उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रहे। भ्रष्टाचार के आरोप में जेल भेजे गए थे। मंगलवार को भीड़ ने ललितपुर जिले के नक्खु जेल पर हमला कर 1500 कैदियों को छुड़ा लिया- इनमें रवि लामिछाने भी शामिल थे।

- पहला नाम है राबी लामिछाने का, ने कुछ समय के लिये, दिसम्बर 2022 से जनवरी 2023 तक, नेपाल के उपप्रधानमंत्री व गृह मंत्री रह चुके हैं तथा भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार थे, पर युवा आंदोलनकारियों ने नाखु जेल तोड़कर सभी कैदियों को रिहा करवाया था, उनमें राबी लामिछाने भी थे।
- दूसरा नाम काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह का है। शाह घोर भारत विरोधी विचारों के व्यक्ति हैं, और उनके ऑफिस में अखण्ड नेपाल का नक्शा लटका हुआ है, जिसमें हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड का काफी हिस्सा प्रस्तावित अखण्ड नेपाल में दिखाया गया है।
- तीसरा नाम हरका समपंग का है, जो वर्तमान में धारन के मेयर हैं।
- अमेरिका के समर्थन में नेपाल में दो और ताकतें हैं। नेपाल के इसाई, जिनकी संख्या अनियंत्रित धर्मपरिवर्तन से बहुत बढ़ी है, पिछले कुछ सालों में, और दूसरी ताकत है, एनजीओ जिन्हें अमेरिका से भारी आर्थिक मदद व अनुदान मिलता है। ये दोनों ताकतें भी चाहेंगी कि कोई अमेरिका का समर्थक ही प्र.मंत्री बने।

उन्हें अमेरिका का करीबी माना जाता है।

दूसरे है बालेन्द्र शाह उर्फ बालेन। ये काठमांडू के मेयर है, जिन्हें भारत विरोधी रवैये के लिए जाना जाता है। उनके कार्यालय में "अखंड नेपाल" का नक्शा लगा है, जिसमें हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हिस्से शामिल हैं।

तीसरे हैं धरान के मेयर हर्का सम्पंग, जो अमेरिकी समर्थक माने जाते हैं। ये तीनों को "अमेरिकी पिट्ठू" हैं, जबकि ओली को चीन समर्थक नेता के रूप में देखा जाता है।

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि नेपाल में 2015 के भूकंप के बाद से अमेरिका की भूमिका लगातार बढ़ती गई है। ईसाई मिशनरी संगठनों की नेपाल में घुसपैठ हुई है। बिना किसी रोक टोक के बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराए गए हैं। अब बड़ी आबादी ईसाई यहां तक कट्टर इवेन्जिकल बन गईं है जो बाइबल को ही अंतिम सत्य मानते हैं। इन पर अमेरिकन बैपटिस्ट और ईवेंजेलिकल संगठनों का नियंत्रण है।

नेपाल में भारी संख्या में एनजीओ हैं, जिनका मुख्य वित्तपोषण अमेरिका से होता है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जिनका जनमत निर्माण में बड़ा हाथ है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल हिंसा में मृतकों की संख्या 30 पहुंची

काठमांडू, 10 सितंबर। नेपाल में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर हुए उग्र प्रदर्शन में मृतकों की संख्या बुधवार को बढ़ कर 30 हो गयी, जबकि 1,033 लोग घायल हो गये, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

- देश भर के 28 अस्पतालों में 1033 घायलों का इलाज चल रहा है।

कांतिपुर समाचार पत्र ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से देर शाम यह जानकारी दी। इसमें बताया गया है कि आंदोलन में कुल मरने वालों का आंकड़ा बढ़ कर 30 हो गया है। देश भर के 28 अस्पतालों में 1,033 घायलों का उपचार किया जा रहा है, जबकि 713 लोगों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है।

विचार बिन्दु

इस विश्व में स्वर्ण, गाय और पृथ्वी का दान देने वाले सुलभ है लेकिन प्राणियों को अभयदान देने वाले इन्सान दुर्लभ हैं। –भर्तृहरि

पंचग्रास में समाहित है संपूर्ण चराचर जगत का कल्याण

पूर्वजों के पुण्य स्मरण की परंपरा भले ही हमारे यहां श्राद्ध पक्ष के सोलह श्राद्धों के माध्यम से आदि काल से चली आ रही हो पर दुनिया के लगभग सभी धर्मावलंबियों और देशों में किसी ना किसी रुप में पूर्वजों के पुण्यस्मरण की परंपरा अनवरत काल से चली आ रही है। हालांकि हमारे देश के ही कुछ प्रतिक्रियावादी लोग श्राद्ध और श्राद्ध कर्म को लेकर मखौल उड़ाने में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ते, पर वह यह भूल जाते हैं कि धरती के साक्षात् देवता हमारे जन्मदाता माता–पिता है। यह साफ हो जाना चाहिए कि माता–पिता के अस्तित्व को लेकर कोई किसी तरह का प्रश्न चिन्ह नहीं उठा सकता। उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। माता–पिता की यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और पीढ़ी दर पीढ़ी उनके स्मरण का हमारा दायित्व हो जाता है। पितृपक्ष और मातृपक्ष दोनों ही पीढ़ियों के स्मरण और श्रृद्धा या यों कहे कि श्राद्ध स्वरुप भोजन, वस्त्र, जल आदि आदि पत्र पुष्प के माध्यम से सम्मान स्वरुप स्मरण किया जाता है। श्राद्ध स्वरुप ब्राम्हणों को भोजन कराने और इसी तरह की अन्य व्यवस्थाओं के साथ जुडी पंच ग्रास की परंपरा का आलोचकों को ज्ञान ही नहीं होता। श्राद्ध निमित्त ब्राह्मण भोजन से पहले पंच ग्रास का विधान है। पंचग्रास के पीछे के रहस्य को समझना भी आवश्यक हो जाता है। पंचग्रास में गोग्रास, श्वान ग्रास, कोएं को ग्रास, चिंटी आदि को ग्रास और अभ्यागत ग्रास, इस तरह से पंच ग्रास का विधान है। अब इसी से समझ सकते हैं कि इस पंच ग्रास में प्रकृति का कोई पक्ष शेष नहीं रह जाता है। गो ग्रास में पशुधन आ जाता है तो श्वान ग्रास में पशु, कोएं के ग्रास से पक्षिगण, चिंटी पतंगा के ग्रास से चिंटी आदि जीव और अंतिम अभ्यागत ग्रास में भिखारी आदि आ जाते हैं। ब्राह्मण भोजन को ढकोसला कह कर समझने वालों को श्राद्ध के मूल की सभी विधानों को समझना होगा। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि पंच ग्रास से अर्थ मात्र औपचारिकता से नहीं लिया जाना चाहिए।

हमारी शाश्वत परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति पर तीन ऋण होते हैं और उनमें से पहला ऋण देव ऋण है तो दूसरा ऋषि ऋण और तीसरा ऋण पितृ ऋण है। प्रत्येक जन्म लेने वाले व्यक्ति को इन तीनों ऋणों से उऋण होने की शिक्षा दी जाती है तो यह उसका दायित्व भी हो जाता है। देव ऋण में सृष्टि के नियंता का स्मरण और उसके प्रति आभार प्रकट करना है। इसके लिए भजन–पूजन, स्मरण, सदाचरण आदि की बात है। जो अपने आप को नास्तिक कहते हैं और किसी शक्ति में विश्वास नहीं करते तो भी उन्हें प्रकृति पर तो विश्वास करना ही होगा। प्रकृति को विकृति से बचाना हमारी जिम्मेदारी होती है और प्रकृति व मानवमात्र के कल्याण की बात करना ही देव ऋण से उऋण होने का एक तरीका है। इसी तरह से हमकों शिक्षा प्रदान करने वाले गुरु परंपरा का मान–सम्मान और ज्ञान की इस परंपरा को अगली पीढ़ी तक पहुचना ही गुरु ऋण से उऋण होने का एक तरीका हो सकता है। जहां तक पितृ ऋण से उऋण होने का प्रश्न है तो इससे उऋण होने का भी आसान रास्ता बताया गया है और वह बच्चे होते ही पूरी होना शुरु हो जाती है और इन बच्चों की शिक्षा और संस्कारित करना और शादी–विवाह आदि जिम्मेदारियों का निर्वहन तो आता ही है। यही कारण है कि पौत्र–प्रपौत्र या नाती–नातियों को देखना और पौत्र होने पर सोने की सीढ़ी चढ़ना आदि इसी और इशारा करता है कि हमारे कुल परंपरा में पूर्वजों के श्राद्ध यानी स्मरण करने वाली पीढ़ी हो गई है। कभी मृत्यु के बाद बारह दिन के संस्कारों को देखने का अवसर मिले या फिर बारहवें दिन की सपीण्डी क्रिया देखने को मिले तो कई बातें साफ हो जाती है। सपीण्डी में तीन पितृ पक्ष और तीन मातृ पक्ष के पूर्वजों के स्मरण, पूजा आदि के बाद जब सभी को एकाकार कर दिया जाता है तो उसे सपीण्डी कहा जाता है। हमारी परंपरा यहां तक ही सीमित नहीं रहती। विधान तो यहां तक है कि किसी भी यजन कार्य में पितृ पूजा अवश्य होती है और दोनों ही पक्षों की तीन–तीन पीढ़ी, यहां तक कि विवाह संस्कार में भी तीन–तीन पीढ़ियों का पुण्य स्मरण किया जाता है।

श्राद्ध स्वरुप ब्राम्हणों को भोजन कराने और इसी तरह की अन्य व्यवस्थाओं के साथ जुड़ी पंच ग्रास की परंपरा का आलोचकों को ज्ञान ही नहीं होता। श्राद्ध निमित्त ब्राह्मण भोजन से पहले पंच ग्रास का विधान है। पंचग्रास के पीछे के रहस्य को समझना भी आवश्यक हो जाता है। पंचग्रास में गोग्रास, श्वान ग्रास, कोएं को ग्रास, चिंटी आदि को ग्रास और अभ्यागत ग्रास, इस तरह से पंच ग्रास का विधान है। अब इसी से समझ सकते हैं कि इस पंच ग्रास में प्रकृति का कोई पक्ष शेष नहीं रह जाता है। गो ग्रास में पशुधन आ जाता है तो श्वान ग्रास में पशु, कोएं के ग्रास से पक्षिगण, चिंटी पतंगा के ग्रास से चिंटी आदि जीव और अंतिम अभ्यागत ग्रास में भिखारी आदि आ जाते हैं।

हमारी शाश्वत परंपरा में व महाभारत व अन्य पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख आता है कि महर्षि अत्रि ने सबसे पहले निमि को सबसे पहले श्राद्ध का उपदेश दिया और महर्षि निमि ने सबसे पहले अपने पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म किया। श्राद्ध कर्म में अग्नि को भी खास महत्व दिया गया है और यह माना जाता है कि अग्नि देव के माध्यम से श्राद्ध पूर्वजों को अर्पित किया जाता है। हमारे यहां पूर्वजों के स्मरण या श्राद्ध के खासतौर से दो अवसर होते हैं। पहला अवसर तो जिस दिन दाग तिथि यानि अंतिम संस्कार या यों कहें कि देहावसान की तिथि को प्रतिवर्ष श्राद्ध का विधान है तो दूसरा महालय श्राद्ध यानि की कन्यागत सूर्य के समय के पन्द्रह दिवस। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावश्या के कुल सोलह दिन सोलह श्राद्ध के दिन होते हैं। स्वर्गागमन किसी भी पक्ष में हो पर कन्यागत श्राद्ध जिसे हम बोलचाल की भाषा में कनागत कहते है उन सोलह दिनों की तिथि के अनुसार श्राद्ध निकाला जाता है। जैसे पूर्णिमा को पूर्णिका तो प्रतिपदा का प्रतिपदा को और इसी तरह से संबंधित तिथि को। यहां एक बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। शास्त्राचार व लोकाचार में एक बात पर अवश्य जोर दिया गया है कि हमारे पूर्वज श्राद्ध के दिन पुत्री प़क्ष की उपस्थिति से अधिक प्रसन्न होते हैं। इसमें श्राद्ध भोजन के निमित्त या अवसर पर दोयते–दोयती, भांजें–भांजी को भोजन कराना अत्यधिक फलदायक बताया गया है। परिवार की पुत्रियों का इस अवसर पर स्वागत और भी अधिक प्रसंसनीय हो जाता है। स्वागत का अर्थ उनकी उपस्थिति से हो जाता है। पुत्रि पक्ष में बहन, बुआ, बेटियां आदि आ जाती है। अब इसे सामाजिक और वैज्ञानिक तरीके से भी समझने का प्रयास करें तो श्राद्ध कर्म परिवार के जुड़ाव और कुल–कुटुंब में प्रेमाचार–भाईचारा बढ़ाने का अवसर है। इससे हमारे पितृगण प्रसन्न होते हैं। अब इसी से समझा जा सकता है कि श्राद्ध के माध्यम से परिवार को एकजुट होने, एक दूसरे से मिलने–मिलाने और प्रेम और स्नेह को बढ़ाने का अवसर मिल जाता है। यह सब मैं इसलिए लिख रहा हूं कि श्राद्ध के विधान को लेकर तो मर्मज्ञ विस्तार से चर्चा कर ही लेते हैं। यह भी सब जानते हैं कि श्राद्ध को जहां तक संभव हो विषम संख्या में भोजन कराना चाहिए। योग्यता एक अन्य शर्त कही जा सकती है तो शुद्धता भी आवश्यक होती है। इस सबके साथ ही विधान की लंबी फेहरिश्त हो जाती है और धर्म के आलोचक उसकों लेकर टीका–टिप्पणी करते ही रहते है। पर श्राद्ध कर्म से दो बातें साफ हो जानी चाहिए कि यह केवल और केवल हमारे यहां ही होता हो तो ऐसा है नहीं। चीन में छिंग–मिंग, जापान में ओबोन, फ्रांस में ला टेसेंट, योरापीय देशों में आल सेंट्स डे, बौद्धों में घोस्ट फेस्टिवल आदि पूर्वजों के स्मरण और पूजन आदि के अवसर है।

इसलिए यह साफ हो जाना चाहिए कि श्राद्ध, श्राद्ध पक्ष और श्राद्ध कर्म के पीछे हमारे पूर्वजों की गहन सोच है। यह मात्र औपचारिकता या ब्राह्मण भोजन तक सीमित नहीं है तो भोजन कराने से पूर्वजों तक भोजन पहुंचने को लेकर मजाक उड़ाने वालों को बहुत कुछ समझने और उसके मूल को समझना होगा। यदि यह ढकोसला होता तो चीन में छिंग–मिंग, जापान में ओबोन, बौद्ध देशों में घूस्ट फेस्टिवल या योरोपीय देशों में टेसेंट या आल सेंट्स डे आदि नहीं होते। इन सबसे भी इतर हमें हमारे जन्मदाताओं के प्रति कृतज्ञता तो व्यक्त करना हमारा दायित्व हो जाता है और यही तो हम श्राद्ध कर्म के माध्यम से करते हैं। बस श्राद्ध में श्रृद्धा का जो महत्व है उसकी पालना हमें करनी ही होगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

एक ही व्यक्ति का दो सीटों पर चुनाव लड़ना कहां तक जायज़ है?

सुनील दत्त गोयल

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह है कि हर नागरिक को समान अधिकार के तहत वोट डालने और अपनी पसंद के प्रतिनिधि चुनने का हक़ मिला है। लेकिन समय–समय पर यह सवाल भी खड़ा होता है कि इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया के नाम पर जनता से लिया गया टैक्स आखिर खर्च कहाँ होता है? हाल के वर्षों में जिस मुद्दे ने बार–बार सुर्खियाँ बटोरी हैं, वह है – एक ही व्यक्ति का दो सीटों से चुनाव लड़ना।

दरअसल, आज 'जनता की सेवा' शब्द नेताओं के लिए बदलकर 'सत्ता प्राप्ति' और 'कुर्सी बचाने' का खेल बन चुका है। नतीजा यह है कि कई बार सांसद या विधायक अपने वर्तमान पद या क्षेत्र को छोड़कर दूसरी जगह चुनाव लड़ने चले जाते हैं। अगर जीत गए तो वहाँ चले जाते हैं, और हार गए तो पुरानी कुर्सी पर लौट आते हैं। सवाल यह है कि तब उस खाली हुई सीट का क्या? उस पर जब उपचुनाव होता है, तो उसका पूरा खर्च किसकी जेब से जाता है? जवाब साफ है – जनता का पैसा।

दो सीटों से चुनाव लड़ने का खेल

भारत में दो सीटों से चुनाव लड़ने की परंपरा कोई नई राजनीतिक चाल नहीं, इसकी जड़ें नेहरू–गांधी युग तक जाती हैं–और स्वतंत्रता के बाद के शुरुआती दशकों से लेकर आज तक कई बड़े नेताओं ने इसे रणनीतिक ढाल की तरह प्रयोग किया है। भारतीय चुनावी प्रणाली में अभी यह प्रावधान है कि एक उम्मीदवार दो सीटों से चुनाव लड़ सकता है। इसे पहली बार 1951 के जनप्रतिनिधित्व कानून (Representation of People Act) में अनुमति दी गई थी। तब तर्क यह दिया गया था कि किसी उम्मीदवार को अगर दो जगह से जनता का समर्थन चाहिए, तो उसमें बुराई नहीं। लेकिन व्यावहारिक रूप से यह प्रावधान जनता के लिए मुसीबत और वित्तीय बोझ बन गया है। स्वतंत्र भारत के पहले आम चुनाव 1951–52 में कांठोस का वर्चस्व था, और चुनावी ढाँचा आरपीए 1951 के तहत स्थापित हुआ, जिसमें एक व्यक्ति को एक साथ एक से अधिक सीटों से नामांकन की अनुमति दी गई–यही प्रावधान आगे चलकर दो सीटों से लड़ने की वैधानिक आधारशिला बना।

इंदिरा–राजीव से सोनिया–राहुल तक

कांग्रेस व्यवस्था के लंबे दौर में विपक्ष कमजोर होने के कारण बड़े नेताओं का सुरक्षा के रूप में एकाधिक सीटों से लड़ना समय के साथ अधिक दिखाई देने लगा। इंदिरा गांधी दो सीटों से लोकसभा चुनाव लड़ चुकी थीं–साल 1980 में उन्होंने रायबरेली (उत्तर प्रदेश) और मेडक (तब आंध्र प्रदेश) दोनों जगह से चुनाव लड़ा और दोनों सीटें जीतीं; बाद में उन्होंने मेडक सीट छोड़ दी। 1999 में सोनिया गांधी ने बेल्लारी (कर्नाटक) और अमेठी (उत्तर प्रदेश) से चुनाव लड़ा और दोनों सीटें जीतकर एक सीट छोड़ी–यही पैटर्न बाद के दशकों में भी बना रहा और उपचुनाव की बाध्यता सामने आती रही। 2019 में राहुल गांधी वायनाड और अमेठी से लड़े, वायनाड में जीते और अमेठी हारे–यह बताता है कि डुअल कंटेस्ट एक राजनीतिक जोखिम प्रबंधन उपकरण बना रहा, जिसका प्रभाव स्थानीय मतदाता पर और सार्वजनिक धन पर अलग–अलग तरह से पड़ता है। यह भी देखा गया है कि कई बार मौजूदा जनप्रतिनिधि इस्तीफा दे देते हैं ताकि खाली हुई सीट पर उपचुनाव द्वारा किसी बड़े नेता को जितवा सकें. डी बी चंद्रे गौड़ा (D.B. Chandre Gowda) चिकमगलूर के मौजूदा कांग्रेसी सांसद थे, जो 1971 और 1977 में इस सीट से जीत चुके थे लेकिन 1978 में इंदिरा गांधी की राजनीतिक वापसी के लिए पार्टी को एक 'सुरक्षित सीट' की जरूरत थी इसीलिए उन्होंने अपनी सीट से इस्तीफा दे दिया, ताकि इंदिरा गांधी वहाँ से उपचुनाव लड़ सकें।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया के दुरुपयोग का यह एक श्रेष्ठ उदाहरण है।

कुछ अन्य उदाहरण

ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल जैसी कई क्षेत्रीय पार्टियों के नेता भी इसका इस्तेमाल कर चुके हैं।

नवीन पटनायक ने ओडिशा विधानसभा में एकाधिक सीटों से नामांकन किए

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी वाराणसी और वडोदरा, दोनों जगह से लड़े।

यानी यह एक आम राजनीतिक रणनीति बन चुकी है। यह रणनीति केवल नेता का 'सुरक्षा कवच' बनती है, मगर जनता की जेब और विश्वास पर भारी पड़ती है।

जनता का कितना पैसा डूबता है? (सरकारी आँकड़े)

भारत में चुनाव कराना बहुत महंगा कार्य है। चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार:–2019 के लोकसभा चुनाव पर लगभग 60,000 करोड़ का खर्च हुआ था (जिसमें सरकारी और राजनीतिक पार्टियों का खर्च दोनों शामिल हैं)। भारत निर्वाचन आयोग (ECI) के अनुसार, एक लोकसभा उपचुनाव कराने का औसत खर्च 2–5 करोड़ रुपये होता है। वहीं राज्य विधानसभा के उपचुनाव पर औसतन 1–2 करोड़ रुपये का खर्च आता है। अब जरा सोचिए – सिर्फ इसलिए कि कोई बड़ा नेता दो सीटों पर चुनाव लड़कर एक सीट खाली कर दे, जनता के टैक्स का करोड़ों रुपया बर्बाद हो जाता है। यह पैसा शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क या रोजगार योजनाओं में खर्च हो सकता था।

जनता के साथ अन्याय

यह मुद्दा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। जब जनता वोट डालती है, तो वह उम्मीद करती है कि उसका प्रतिनिधि पूरे कार्यकाल तक उसकी सेवा करेगा। लेकिन जब प्रतिनिधि दूसरी जगह चला जाता है, तो उसी जनता को फिर से महीनों प्रचार, मतदान और चुनाव की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। यानी एक तरफ जनता पर आर्थिक बोझ, और दूसरी तरफ जनता की राजनीतिक भावनाओं से खिलवाड़। क्या यह सीधे–सीधे विश्वासघात नहीं है?

समाधान क्या हो सकता है?

अब सवाल यह उठता है कि इसका व्यावहारिक समाधान क्या है?

1. दूसरे नंबर वाले प्रत्याशी को विजयी घोषित करना

एक तर्क यह है कि अगर कोई नेता दो सीटों पर जीतता है और फिर एक सीट छोड़ देता है, तो उस सीट पर दोबारा चुनाव कराने के बजाय रनर–अप (दूसरे स्थान पर आने वाले) को विजयी घोषित कर दिया जाए।

इससे करोड़ों रुपये बचेंगे।

नेता सोच–समझकर ही कई सीटों से चुनाव लड़ेंगे, क्योंकि सीट छोड़ते ही उनका विरोधी मजबूत होगा।

2. उपचुनाव का खर्च पार्टी या उम्मीदवार से वसूलना

अगर कोई प्रत्याशी सीट छोड़ता है, तो उस सीट के उपचुनाव का पूरा खर्च उसके या उसकी पार्टी से वसूला जाए। इससे उन्हें जनता के टैक्स की कीमत पता चलेगी।

3. केवल एक सीट से चुनाव लड़ने का प्रावधान

वैसे एक सबसे सीधा हल यह है कि कानून में संशोधन करके उम्मीदवार को केवल एक ही सीट से चुनाव लड़ने की अनुमति दी जाए। 1996 में भारत निर्वाचन आयोग ने केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेजकर सुझाव दिया था कि एक उम्मीदवार को केवल एक सीट से चुनाव लड़ने दिया जाए। लेकिन अब तक राजनीतिक दलों ने अपने हितों के चलते इस सिफारिश को लागू नहीं होने दिया।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव

दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों ने पहले ही यह प्रथा खत्म कर दी है।

ब्रिटेन और यूनाइटेड स्टेट्स में उम्मीदवार एक समय में सिर्फ एक ही सीट से चुनाव लड़ सकता है। बांग्लादेश जैसे देशों ने भी इस पर रोक लगा रखी है। तो सवाल यह है कि भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में जनता के टैक्स के पैसे को ऐसे व्यर्थ बर्बाद करने की इजाज़त क्यों हो?

लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि

लोकतंत्र का मुख्य आधार यह है कि जनता सर्वोपरि है। नेताओं की व्यक्तिगत रणनीति या महत्वाकांक्षा जनता से बड़ी नहीं हो सकती। अगर एक सीट छोड़ने से करोड़ों रुपया बर्बाद होता है और जनता को दोबारा मतदान की मशक्कत करनी पड़ती है, तो यह साफ तौर पर अन्याय है। आज जब देश विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे असली मुद्दों से जूझ रहा है, तब चुनावी व्यवस्था को इतना महंगा और जटिल बनाने का कोई औचित्य नहीं है। यह वक्त है कि चुनाव आयोग और सरकार मिलकर इस पर सख्त सुधार लाएँ। अगर कोई व्यक्ति जेल में है तो वो अपना वोट नहीं डाल सकता लेकिन वही कैदी भले ही दो साल से जेल में है तो वो चुनाव लड़ कर सांसद या विधायक बन सकता है। तो क्या वो जीता हुआ प्रत्याशी अपने क्षेत्र के मतदाताओं के साथ न्याय कर रहा है? उदाहरण के लिए, कश्मीर के बारामूला से सांसद शेख़ अब्दुल रशीद, जो इंजीनियर रशीद के नाम से भी जाना जाता है और तिहाड़ जेल में दिल्ली में बंद हैं।

आम समझ से देखें तो जो व्यक्ति जनता की सेवा करने और मिलने–जुलने के लिए उपलब्ध ही नहीं है, वह कैसे इलाके की समस्याएँ सुनेगा, जनसुनवाई करेगा या कामकाज देखेगा–जेल की दीवारें उसे लोगों से अलग कर देती हैं, और जनता उससे मिल भी नहीं पाती।

इसी वजह से लोग कहते हैं कि यह लोकतंत्र का मज़ाक है: जनता तो वोट देने कतार में खड़ी रहती है, लेकिन लाखों लोग जो सिर्फ मुकदमे के चलते जेल में हैं, वोट नहीं डाल पाते, और दूसरी तरफ कोई बंदी कागज़ी औपचारिकताएँ पूरी करके चुनाव में उम्मीदवार बन सकता है। बहुत से संगठनों और कानूनी बहसों में यह मांग उठी है जेल में रहने के दौरान चुनाव लड़ने पर साफ–साफ रोक या सख्त शर्तें लगाई जाएँ, ताकि हक़ और ज़िम्मेदारी का संतुलन बना रहे और जनता का भरोसा कायम रहे।

निष्कर्ष– आज जब हर परिवार महँगाई, बेरोजगारी और टैक्स के बोझ से दबा हुआ है, तब जनता का पैसा नेताओं की महत्वाकांक्षाओं पर खर्च करना लोकतंत्र का मज़ाक है। अगर अनावश्यक उपचुनाव रोके जाएँ, तो करोड़ों रुपये का सदुपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे पर हो सकता है। इसलिए अब वक्त आ गया है कि चुनाव आयोग, संसद और सरकार इस मुद्दे पर गंभीर बहस करे।

लोकतंत्र मज़बूत तभी होगा जब जनता का सम्मान रहेगा और उसके हित के विपरीत कोई नियम नहीं होगा। दो सीटों पर चुनाव लड़ना राजनीति का खेल नहीं, बल्कि जनता के साथ मज़ाक है – और इसको कानून बनाकर खत्म करना ही लोकतांत्रिक ईमानदारी की पहली शर्त है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड
जयपुर, राजस्थान

''जल जीवन मिशन'' से बयाना के गांव पुरा बाइखेड़ा में आएगी खुशहाली

हर घर तक नल से पानी पहुंचाने का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है

बयाना/भरतपुर, (निसं)। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ''जल जीवन मिशन'' के तहत बयाना उपखंड के गांव पुरा बाइखेड़ा में हर घर तक नल से पानी पहुंचाने का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। करीब 2 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से गांव में तीन ट्यूबवेल लगाए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या से राहत मिलेगी।

जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता राजेश मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव में निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और उच्च जलाशय (ओवरहेड टैंक) का कार्य अंतिम चरण में है। साथ ही दो पानी की टंकियों का निर्माण किया जा रहा है और पूरे गांव में पाइपलाइन बिछाई जा रही है। योजना के तहत लगभग 782 घरों को कनेक्शन दिए जाएंगे, जिससे हर घर में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित हो सके।

▪ करीब 2 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से गांव में तीन ट्यूबवेल लगाए जा रहे हैं

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण इलाकों में भी हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचे और लोग पानी की कमी जैसी समस्याओं से मुक्त हों। सरकार की प्राथमिकता है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और इसी दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

गांववासियों में खुशी की लहर :–इस परियोजना को लेकर गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले उन्हें पानी के लिए काफी परेशान होना पड़ता था, लेकिन अब हर घर में नल से जल मिलेगा तो जीवन आसान हो जाएगा। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री और सरकार की कार्यशैली की सराहना की और कहा कि अब गांवों में भी असली विकास दिखने लगा है। पुरा बाइखेड़ा गांव में जल जीवन मिशन के सफल क्रियान्वयन से यह साफ है कि सरकार की योजनाएं अब ज़मीनी स्तर पर असर दिखा रही हैं। यह पहल न केवल पानी की समस्या से निजात दिलाएगी, बल्कि स्वास्थ्य और स्वच्छता को भी बढ़ावा देगी।

लापरवाही पर एक टीचर सस्पेंड, चार को नोटिस

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने स्कूलों के निरीक्षण के दौरान लापरवाही बरतने वाले एक शिक्षक को सस्पेंड कर दिया, वहीं चार अन्य को नोटिस दिया है। निदेशक जाट शिक्षा विभाग की ओर से चल रहे मौखिक प्रवाह पठन कार्यक्रम में लापरवाही पाए जाने पर ये कार्रवाई की है। इस कार्यक्रम के तहत बच्चों को पढ़ने की स्पीड बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। निदेशक जाट ने बीकानेर के 4 विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों का औचक निरीक्षण किया। साथ ही विद्यालय में शिक्षण एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, खारी चारणान में कक्षा 3 से 5 एवं कक्षा 6 से 8 के समूह बनाकर इस तरह की एक्टिविटी करवानी थी, ताकि बच्चे की पढ़ने की स्पीड बढ़ सके। ऐसी कोई एक्टिविटी स्कूल में नहीं करवाई गई। जाट ने संबंधित शिक्षकों को गम्भीरता पूर्वक कार्य करने की चेतावनी दी और योजनानुसार गतिविधियां आयोजन के निर्देश दिए। पीएमश्री राउमावि गौडू में कार्यक्रम प्रभारी और अध्यापक लेवल–2 चौथमल के कार्य में घोर लापरवाही बताते हुए सस्पेंड किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक ने चौथमल को निलंबित किया है।

निदेशक ने खारी चारणान विद्यालय के की अध्यापिका लेवल–1 रेखा गर्ग और मनदीप कौर तथा

▪ माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने स्कूलों का औचक निरीक्षण किया

वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक माणक चंद सुथार द्वारा गतिविधि आयोजन में बरती जा रही लापरवाही के लिए इनके खिलाफ सीसीए नियम–17 के तहत कार्यवाही प्रारंभ किये जाने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बज्जू में भी मौखिक प्रवाह पठन कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को समूह अनुसार गतिविधियों का आयोजन नहीं करवाया जाना पाया गया। विद्यालय के संस्था प्रधान बगसा राम बिश्नोई द्वारा कार्यक्रम के संबंध में संतोषजनक जानकारी प्रदान नहीं की गई। कार्यक्रम के दिशा–निर्देश एवं गतिविधि आयोजन के संबंध में किसी भी प्रकार की कार्य योजना का भी नहीं पाई गई। इसके मद्देनजर संस्था प्रधान के खिलाफ सीसीए नियम–17 के तहत कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश प्रदान किये गए। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय (माध्यमिक) द्वारा इन शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारंभ करने के लिए नोटिस जारी कर दिया गया और 12 सितंबर तक स्पष्टीकरण चाहा गया है।

मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान प्रखर राजस्थान 2.0 के तहत प्राइमरी क्लास में पढ़ने वाले बच्चों को किताब पढ़ते समय अटकने के बजाय स्पीड बनाने के लिए ये कार्यक्रम तय किया गया है, ताकि भाषायी कौशल के विकास, समझ के साथ पढ़ने, लिखने की आदत हो सके। राज्य सरकार ने इस कार्यक्रम को मिशन मोड पर लिया है।

निदेशक ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, बज्जू के छात्रावास का भी निरीक्षण किया। यहां सहायक वार्डन अर्चना रावत उपस्थित रही। छात्रावास में साफ–सफाई एवं भोजन की गुणवत्ता सही पाई गई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोडायत में निरीक्षण के समय संतोषजनक शैक्षिक व्यवस्थाएं पायी गई। इस दौरान अतिरिक्त निदेशक गोपाल राम बिरदा और जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक किशन दान चारण साथ रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 11 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, अश्विनी नक्षत्र दिन 1:58 तक, धुव्र योग सायं 5:05 तक, बालव करण दिन 12:46 तक, चन्द्रमा मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–मेष, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मिथुन, शुक्र–कर्क, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 1:58 तक है। ज्वालामुखी योग दिन 1:58 से आरम्भ होगा। आज पंचमी और भरणी का श्राद्ध है। आज विनोभा भावे जयन्ती और भूदान जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:46 तक, चर 10:51 से 12:24 तक, लाभ–अमृत 12:24 से 3:28 तक, शुभ 5:01 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:14, सूर्यास्त 6:33

मेष
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

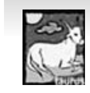

वृष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मित्रों/भाई–बंधुओं के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

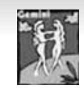

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

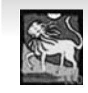

सिंह
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

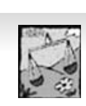

तुला
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

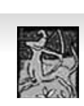

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
घर–परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

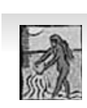

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में चल रहे आपसी वाद–विवाद समाप्त होंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सार-समाचार

एक शाम हिंदी के नाम

कोटा, (निसं)। द पोएट्री क्लब कोटा द्वारा एक शाम हिंदी के नाम, काव्य संध्या, कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन किया जा रहा है। क्लब के अध्यक्ष राहुल धाकड़ और संयोजक विकास शर्मा ने बताया कि 14 सितंबर 2025 को एलन सम्यक चौक लैंडमार्क सिटी कोटा पर आयोजित कार्यक्रम में स्टूडेंट जहां अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन कर काव्य पाठ करेंगे वहीं अन्य कवि भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। युवाओं के जोश से भरपूर इस कार्यक्रम में स्टूडेंटों की सबसे अधिक भागीदारी रहेगी, और जो भी विद्यार्थी अपनी प्रस्तुति देना चाहता है वह मंच सांझा कर सकता है। आयोजक अभिषेक चौरसिया एवं शायर दीपक परिहार (बेवफा चाय वाला) ने बताया कि इस आयोजन में कोटा शहर का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस तरह का कार्यक्रम कोटा में पहली बार आयोजित किया जा रहा है जिसमें हिंदी को महत्व दिया गया है। इस कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन युवा टीम द्वारा किया गया। इस दौरान सहयोगी अर्पित मीणा सहित कई लोग उपस्थित रहे। शायर दीपक परिहार ने बताया कि इस कार्यक्रम में मंच संचालक सुधीर यादव का रहेगा, जबकि वरिष्ठ शायर नरेंद्र शर्मा, कवि राजेंद्र अखंड, कवित्री आर्या, कवि एवं गीतकार सुमंत सरल, शायर माही वैष्णव, शायर सुमन आजाद, कवित्री गुंजन पंजवानी, शायर तनुज शर्मा, सिंगर कैलाश पारीक, शायर वीर बैरागी एवं दीपक परिहार सहित कई कलाकार अपनी प्रस्तुति से हिंदी दिवस को यादगार बनाएंगे, कोचिंग स्टूडेंट को समर्पित इस कार्यक्रम में कई संदेश पारक गीत और चांद भी होंगे तो एक और मस्ती के साथ जिंदगी को खुशनुमा बनाए जाने का पूरा प्रयास इस कार्यक्रम के माध्यम से किया जाएगा।

स्वयंसेवक संघ का भव्य पथ संचलन

माँगरोल । उपखण्ड क्षेत्र बोहत कस्बे में बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बोहत मंडल की ओर से भव्य पथ संचलन निकाला गया। इससे पहले तेजाजी चौक पर स्वयंसेवक एकत्र हुए, जहाँ आयोजित बौद्धिक कार्यक्रम में विभाग प्रचारक हेमेन्द्र ने संबोधित करते हुए कहा कि संघ सौ वर्ष की यात्रा पूर्ण करने पर समाज परिवर्तन के लिए सभी स्वयंसेवक अधिक से अधिक समय समर्पित करें। उन्होंने संघ शताब्दी वर्ष में प्रत्येक हिन्दू परिवार को जोड़ने, सामाजिक समरसता, स्वदेशी, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक शिष्टाचार को अपनाकर समान परिवर्तन का आ ान किया। कार्यक्रम उपखंड कार्यवाह सुनील गौड़ के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इसके बाद पथ संचलन कस्बे के मुख्य मार्गों से निकला जो बालाजी मंदिर, बैरवा बस्ती, बस स्टैंड, नृसिंह भगवान मंदिर, देवरा बालाजी, पोस्ट ऑफिस, भगतसिंह सर्किल, केशवराय महाराज मंदिर सहित चार किलोमीटर लंबे मार्ग से होकर गुजरा। संचलन में घोष वादन और भगवा ध्वज की छटा आकर्षण का केंद्र रही। पथ संचलन में बोहत, हिंगोनियां, पाड़लिया, श्यामपुरा, भगवानपुरा और मोतीपुरा मंडल के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कस्बे के लोगों ने जगह-जगह रंगोलियां सजाकर और दो दर्जन से अधिक स्वागत द्वारों पर पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। इस अवसर पर खंड कार्यवाह भंवरलाल सुमन, सह उपखंड कार्यवाह मोनू राठौर, निर्मल सुमन, सूरजमल चौधरी, खेमराज मालव, घनश्याम मेहरा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आपदा राहत प्रस्तावों में सभी तरह के नुकसान को शामिल किया जाए : कलक्टर

कोटा, (निसं)। जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने कहा कि इस बार हुई अतिवृष्टि से कई तहसीलों में फसलों को काफी नुकसान हुआ है। अतिवृष्टि से नुकसान का सर्वे फील्ड में कार्य कर रहे पटवारी, गिरदावर, ग्राम सेवक एवं कृषि पर्यवेक्षक संवेदनशीलता के साथ करें ताकि प्रभावित ग्रामीणों एवं किसानों को उचित मुआवजा समय पर मिल सकें। समारिया बुधवार को लाडपुरा तहसील कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि से घरों, पशुओं, फसलों एवं अन्य नुकसान का सर्वे कार्य पूर्णत: गंभीरता के साथ किया जाए। पटवारी, गिरदावर एवं सर्वे से जुड़े अन्य कर्मचारी-अधिकारी किसानों के साथ-साथ स्थानीय जन प्रतिनिधियों से भी चर्चा करें। कृषि पर्यवेक्षकों द्वारा जुटाए गए आंकड़े भी चेक किए जाएं।

उन्होंने कहा कि आपदा राहत के प्रस्तावों में सभी तरह के नुकसान को शामिल किया जाए। भारी बारिश से हुए जल भराव से मकानों, बर्तन, कपड़ों के साथ ही पशुओं के चारे के नुकसान का भी आंकलन कर सर्वे रिपोर्ट में शामिल करें। जिला कलक्टर ने कहा कि अतिवृष्टि से हुए नुकसान की जो प्रारंभिक रिपोर्ट फील्ड से भेजी गई है उसमें काफी सुधार की आवश्यकता है। पटवारी, गिरदावर एवं संबंधित विभागीय अधिकारी कार्यालय में बैठने की बजाय फील्ड में जाएं और नुकसान का सही आंकलन कर सर्वे रिपोर्ट तैयार करें। समारिया ने कहा कि 15 सितम्बर से शुरु हो रहे शहर चलो अभियान एवं 18 सितम्बर से शुरु हो रहे ग्राम चलो अभियान के दौरान आयोजित होने वाले शिविरों में अंतिम छोर के व्यक्ति को अधिक से अधिक राहत पहुंचाने का प्रयास करें। ग्राम चलो अभियान शिविरों में आने वाले राजस्व संबंधी प्रकरणों सहित ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज की योजनाओं से जुड़े कार्यों को भी तत्परता से किया जाए ताकि अभियान के उद्देश्य पूरे हो सकें। बैठक में उपखंड अधिकारी लाडपुरा गजेन्द्र सिंह, बीडीओ शैलेष रंजन सहित राजस्व, कृषि, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, लाडपुरा तहसील के पटवारी, गिरदावर, ग्राम सेवक आदि उपस्थित थे।

■ 'अतिवृष्टि से हुए नुकसान का सर्वे पूरी संवेदनशीलता से करें'

गोल्डन टेम्पल मेल एक्सप्रेस का निरीक्षण

कोटा, (निसं)। यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और अनुशासित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कोटा मंडल द्वारा लगातार निगरानी और निरीक्षण की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने गाड़ी संख्या 12903 मुम्बई सेंट्रल-अमृतसर गोल्डन टेम्पल मेल एक्सप्रेस का कोटा से भरतपुर तक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यालय एवं मंडल रेल प्रबंधक के निर्देशों के अनुरूप जैन द्वारा गाड़ी की पैंट्री कार की स्थिति का विशेष रूप से जायजा लिया गया, जिसमें कई अनियमितताएं पाई गईं। पैंट्री में अस्वच्छता, पैंट्री के अंदर ही खाना पकाने, बिना पहचान पत्र के वेंडरों की उपस्थिति एवं अनधिकृत विक्रेताओं के संचालन जैसे मामले सामने आए। इन सभी मामलों में उन्होंने आईआरसीटीसी अधिकारियों को सूचित करते हुए त्वरित दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए।

ईडब्ल्यूएस को पंचायत व निकाय चुनावों में मिले 10 प्रतिशत आरक्षण

कोटा, (निसं)। ब्राह्मण कल्याण परिषद कोटा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मुख्य सचिव सुधांशु पंत एवं राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव के नाम ज्ञापन सौंपकर पंचायत एवं निकाय चुनावों में ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के लिए 10 प्रतिशत सीटों पर आरक्षण लागू करने की मांग की। परिषद के पदाधिकारियों ने कोटा संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि प्रदेश सरकार अंत्योदय योजना के तहत गरीब व कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है, ऐसे में आगामी पंचायत एवं निकाय चुनावों में भी ईडब्ल्यूएस वर्ग को प्रतिनिधित्व मिलना चाहिएं। ज्ञापन में कहा गया कि जब एससी, एसटी, ओबीसी एवं महिला वर्ग को चुनावों में आरक्षण का प्रावधान है तो ईडब्ल्यूएस वर्ग को भी 10 प्रतिशत सीटों का आरक्षण दिया जाएं।

ससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में गरीब तबकों को राजनीति में भागीदारी का अवसर मिल सकेगा। ज्ञापन देने वालों में परिषद के संयोजक अनिल तिवारी, शहर अध्यक्ष धर्मेंद्र दीक्षित, दिलीप ओदिच्या श्याम मनोहर हरित, दिनेश शर्मा, राजेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश तनकारिया, बुद्धि प्रकाश दाधीच, लोकेश शर्मा, पीयूष शर्मा, मनोज शर्मा, लोकेश गौतम, सत्यनारायण पारीक, हंसा त्यागी, तुलसीराम शर्मा, गिरिराज शर्मा, विष्णुकांत शर्मा, चंद्र प्रकाश पाठक, रमेशचंद शर्मा, दिनेश दुबे, देवेंद्र तिवारी, प्रमोद शर्मा, गोपाल शर्मा, अशोक मिश्रा, सुशील शर्मा, विपिन शर्मा, राजेश शर्मा, केशव दत्त शर्मा, विनीत बाजपेई, चंद्र प्रकाश शर्मा, गिरधार दधीच, पुष्प कांत शर्मा, रोहित दाधीच, अजय शर्मा, रितु शर्मा, सिंपल शर्मा, रेखा कनोडिया, अक्षय शर्मा, प्रकाश शर्मा, राहुल जोशी, नंद गोपाल गौड़, नवल शर्मा, हरिओम सनाढ्य, गोविंद नारायण शर्मा, अजय गौड़, रुद्रेश भारद्वाज सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

■ सचिव के नाम ज्ञापन सौंपकर पंचायत एवं निकाय चुनावों में ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के लिए 10 प्रतिशत सीटों पर आरक्षण लागू करने की मांग की

'वास्तविक दुनिया को सकारात्मकता के साथ जिए'

कोटा, (निसं)। आर्य उपप्रतिनिधि सभा कोटा संभाग के तत्वाधान में विगत 10 दिनों से चलाए जा रहे जनजागरूकता के कार्यक्रम जीवेम शरद-शतम् का एलबीएस ग्रुप के परिसर में भव्यता के साथ में आयोजन किया गया। युवाओं में आत्महत्या रोकथाम की अलख जगाई गई। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर महावीर नगर विस्तार योजना स्थित एलबीएस ग्रुप के शैक्षणिक परिसर में उपस्थित गणमान्यजनों व छात्रों को संबोधित करते हुए वैदिक विद्वान आचार्य अग्निमित्र शास्त्री ने कहा कि वर्तमान में लोग एक आभासीय दुनिया में जी रहे हैं जिसका सत्यता के साथ कोई संबंध नहीं है इसलिए हमें वर्चुअल दुनिया से बाहर निकाल वास्तविक दुनिया में सकारात्मक विचारों के साथ जीना चाहिएं। शास्त्री ने कहा कि वैदिक सिद्धांतों के अनुरूप 100 वर्षों तक प्रसन्नतापूर्वक जीवन जीना चाहिएं। कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक राकेश चड्ढा ने बताया कि इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ ईश्वर स्तुति प्रार्थना उपासना के मंत्रोच्चार पूर्वक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। आर्य उप प्रतिनिधि सभा के संभागीय प्रधान अरविंद पांडेय ने आगंतुक विद्वानों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर आर्य समाज द्वारा चलाए गए जन जागरूकता कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर आर्य समाज के प्रतिनिधियों द्वारा श्री लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा ग्रुप के डायरेक्टर कुलदीप माथुर का वैदिक पद्धति से स्वागत अभिनंदन किया गया। आर्यजनों ने कुलदीप माथुर को ओम का पटका, मोतियों की माला व केसरिया पगड़ी पहना करके स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

रनिंग स्टाफ मे पदोन्नतियॉ नहीं होने पर कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

कोटा, (निसं)। कोटा मण्डल मे कार्यरत रनिंग स्टॉफ के कर्मचारी पदोन्नतियॉं नहीं मिलने से काफी रोष मे थे, जिसके चलते बुधवार को मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय मे रनिंग कर्मचारियों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। लोको शाखा सचिव मद्दू लाल मीणा ने बताया कि कोटा मण्डल मे काफी लम्बे समय से रनिंग स्टॉफ को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिस बारे मे प्रशासन को भी बार-बार अवगत कराया गया था, परंतु प्रशासन द्वारा इन परेशानियों को दूर करने हेतु कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया है। रनिंग विभाग मे काफी रिक्तियां चल रही है जिसके कारण कर्मचारियों को समय पर रेस्ट नहीं मिल पा रहे है, न ही आवश्यकतानुसार छुट्टियां मिलती है। कर्मचारियों से ओवर हार्व्स वर्किंग करवायी जा रही है, 09 हार्व्स के नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। इससे कर्मचारियों पर मानसिक दबाव बढ़ता जा रहा है एवं गाड़ी संचालन मे बाधा भी उत्पन्न हो सकती है। यह उदासीन रवैया रनिंग संवर्ग मे पदोन्नतियॉं प्रदान करने से खत्म हो सकती है परंतु रेल प्रशासन इस पर कोई कार्यवाही ही नहीं करना चाहता। मजबूरन रनिंग सवंर्ग के रेल कर्मचारियों ने वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के नेतृत्व मे मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय मे विरोध प्रदर्शन किया एवं मण्डल सचिव अब्दुल खालिक ने अपने संबोधन मे कहा कि शीघ्र ही कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया जाये अन्यथा रनिंग कर्मचारी भूख हड़ताल करने पर मजबूर होंगे। प्रदर्शन के उपरांत मण्डल सचिव अब्दुल खालिक ने राम चरन मीना, डी.के. शर्मा, मद्दू लाल मीना, मुकेश शुक्ला, प्रेम शंकर सैनी सहित ने अपर मण्डल रेल प्रबंधक से चर्चा की और उन्होंने प्रशासन सहित सभी समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

इस विरोध प्रदर्शन मे मुख्य रूप से चेतराम घोरेला, राजेश शर्मा, प्रेम शंकर सैनी, अमरनाथ पाण्डे, मुकेश शुक्ला, मुकेश मीना डेकवा, नीरज यादव, नरेन्द्र गंभीरा, विजय मेघवाल, रोशन धूलिया, राकेश मीना, मोरध्वज मीना, देवी सिंह, कमलेश मीना, छुट्टन लाल मीना, सचिन कुमार, हरिओम, भीम सिंह समेत सैकड़ो की संख्या मे रनिंग स्टॉफ उपस्थित रहा।

■ कोटा मण्डल मे काफी लम्बे समय से रनिंग स्टॉफ को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है

योजना शिविर का आयोजन

छबड़ा। कोटापार में स्वस्ति फाउंडेशन के तत्वाधान स्वजन व वाटर संस्थान द्वारा एक दिवसीय योजना शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के विजय कुमार शर्मा ने बताया कि ये शिविर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इंडसइंड बैंक के सहयोग से चल रहे एकीकृत सहायता डैक्स के माध्यम से आयोजित शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

रामलीला का मंचन 23 से

कोटा, (निसं)। शिव मंडल विकास समिति की कार्यकारिणी की बैठक रेलवे कॉलोनी क्षेत्र के वर्कशॉप कॉलोनी में स्थित शिव मंदिर परिसर में आयोजित की गई। शिव मंडल विकास समिति के अध्यक्ष प्रताप भान सिंह ने बताया कि बैठक में रामलीला का मंचन 23 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक किया जाने का तय किया गया है। उन्होने बताया कि इस वर्ष रामलीला का मंचन वृदावन की राजराजेश्वरी रामलीला मंडल द्वारा किया जायेगा।

मादक पदार्थ तस्करी का फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 1 अप्रैल 2024 को महावीर नगर पुलिस टीम ने नाकाबन्दी के दौरान कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित आरोपी मनोज कुमार को गिरफ्तार किया था। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से किये गये अनुसंधान के आधार पर अवैध मादक पदार्थ गांजा की खरीद-फरोख्त के आरोपी अशोक नागर का नाम सामने आने पर आरोपी की तलाश की जा रही थी। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिये आरकेपुरम थानाधिकारी महेन्द्र मारू के नेतृत्व मे टीम गठित की गई। गठित टीम ने कार्यवाही करते हुए जिला बारां के सारथल निवासी अशोक नागर को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

डोटासरा ने मोदी व भजनलाल पर तीखे हमले किए

बूंदी। पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को शामी कांठोस कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश रैली में जाते समय कांठोस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का भव्य स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा ने बड़ा हार एवं साफा बंधवाकर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष का अभिवादन किया। इस अवसर पर जिला प्रमुख चंद्रावती कवर, ब्लॉक कांठोस अध्यक्ष रामकरण मीणा, प्रेमशंकर राठौड़, उपसभापति लटूर भाई, राजीव गांधी पंचायती राज जिला अध्यक्ष महावीर मीणा, युवा जिला अध्यक्ष निशांत नुवाल, पूर्व प्रधान भगवान नुवाल, प्रधान प्रतिनिधि सत्यनारायण मीणा, पीसीसी सचिव संदीप पुरोहित, मधु वर्मा, वार्ड पार्षद टीकम जैन, इरफान इलू, कन्हैयालाल, मंडल अध्यक्ष महावीर गुर्जर, मनवीर सिंह, इमरान देशवाली, गिर्राज मीणा युवा महासचिव, शिवम गुर्जर, सरपंच बालकदास, नाथूलाल बेरवा, पूर्व सरपंच बाबूलाल गुर्जर, मुकेश जैन, संजय शर्मा, यासीन कुरेशी, अनन्त चंदेल, महेश कंजर, जोधराज गुर्जर शाहिद बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बूंदी में डोटासरा ने कहा की नेपाल में भड़की हिंसा को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मोदी सरकार और प्रदेश की भजनलाल सरकार पर तीखे हमले किए। डोटासरा ने कहा कि पडोसी देशों नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका में जनता की आवाज को दबाने की कोशिशों का परिणाम यह हुआ कि वहां लोग सडकों पर उतर आए और सरकारें संकट में पड गई । उन्होंने कहा कि नेपाल में तो स्थिति इतनी गंभीर हुई कि प्रधानमंत्री को देश छोडकर भागना पड़ा । डोटासरा ने चेतावनी दी कि भारत में भी यदि तानाशाही जारी रही और जनता की आवाज को दबाने का सिलसिला नहीं रुका, तो यहां भी व्यापक आक्रोश उत्पन्न हो सकता है। डोटासरा ने कहा, सरकारों को चाहिए कि जनता की आवाज सुने, उनके काम करें और संवेदनशीलता दिखाए, लेकिन आज स्थिति इसके उलट है । सत्ता में बैठे लोग जनता की समस्याओं को सुनने की बजाय अपनी राजनीति चमकाने में लगे हैं, यही चिंता का विषय है।

■ पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा के नेतृत्व में बूंदी में प्रदेशअध्यक्ष का स्वागत

MAA Bharti Teacher's Training College
Swami Vivekanand Nagar, Kota
Mob. No. 7230002446, 9829191640
Requirement
Faculty of Teaching Staff For B.Ed. College.
Lecturers:- Arts, Science, Commerce, (In All Subject).
Qualification:- As Per New Rules Regulation of N.C.T.E. PG and M.ED with 55% in Both and NET/Ph.Ed/SET in Education.
Application Must be Submit to M.B.T.T. College, Kota till 18.09.2025 with 2 Documents Set and Photographs.
Secretary **Principal**

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ11 विक्रय/2025/372 दिनांक:-10.9.25

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा आवास संख्या 287 श्रीनाथपुरम-बी आवासीय योजना में हस्तान्तरण पत्र क्रमांक 288 दिनांक 19.03.2008 को श्रीमती मीता स्वामी पत्नी श्री रवीन्द्र कुमार स्वामी के नाम हस्तान्तरण किया गया था। श्रीमती मीता स्वामी पत्नी श्री रवीन्द्र कुमार स्वामी द्वारा उक्त आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री अजय कुमार शर्मा पुत्र श्री रामेश्वर दयाल शर्मा द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 26.11.2013 को श्री भवानी शंकर नागर पुत्र श्री गोपाल लाल नागर को विक्रय कर दिया गया है। अत: श्री भवानी शंकर नागर पुत्र श्री गोपाल लाल नागर द्वारा उक्त आवास का स्वामित्व अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु प्राधिकरण में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास संख्या 287 श्रीनाथपुरम-बी आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण श्री भवानी शंकर नागर पुत्र श्री गोपाल लाल नागर के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कृषि भूमि रुपान्तरण नगर परिषद बारां

क्रमांक:-नपबा/रुपा./2025/5030-31 **लोक सूचना** दिनांक:-08.09.2025

श्रीमती सुगना बाई कोली पत्नी श्री तेजकरण कोली निवासी हनुमान जी की बावड़ी के पास नागरिक बैंक के सामने सदर बाजार धर्मादा चौराहा बारां राजस्थान ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
बारां तहसील व जिला बारां	बमुलिया	93/545	0.17 है. में से 1640 वर्गमीटर

इसलिये इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुर्क्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज.......को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी आयुक्त नगर परिषद बारां

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा कोटा शहर, कोटा

क्रमांक : सीबीईओ/को.श./निविदा/कोटा/2025/81 दिनांक:-10.09.2025

खुली निविदा सूचना

स्थानीय कार्यालय के समग्र शिक्षा में सत्र 2025-26 में आयोजित होने वाले शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में पंजीकृत फर्म/प्रतिष्ठान से विवरणा अनुसार सीलबंद निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र एवं शर्तें इस कार्यालय से निर्धारित शुल्क 500/250 का डीडी एवं बैंकर्स चैक जमा कराकर कार्यालय समय अथवा स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट पोटर्ल पर देखी जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य/ सेवा विषयवस्तु	कार्य एवं सेवा की अनुमानित लागत	यूबीएन नम्बर	निविदा शुल्क
1	टेन्ट सामग्री व्यवस्था	200000	NIB-CODE-EED2526A0441 UBN-NO-EED2526SSLB00473	250
2	भोजन अल्पाहार, चाय एवं पेयजल	950000	NIB-CODE-EED2526A0443 UBN-NO-EED2526SSOB00474	500

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
कोटा शहर कोटा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद कोलोनी, छावनी, कोटा स्थित मकान पैमायशी 800 वर्गफीट जिसकी चतुरसीमाएँ:- पूर्व में रास्ता, पश्चिम में नरेन्द्र कुमार का मकान, उत्तर में रामचन्द्र जी का मकान, दक्षिण में मदन मोहन का मकान स्थित है का पट्टा ग्रामपंचायत छावनी द्वारा गुरदीप सिंह पुत्र हरकी सिंह के पक्ष में जारी किया गया था जिसे उनके द्वारा जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 21.01.1969 के मोहम्मद अय्यूब पुत्र अब्दुल्ला जी को विक्रय किया गया। मोहम्मद अय्यूब द्वारा उक्त मकान का विक्रय डीएस रावत पुत्र लक्ष्मीनारायण को जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 08.11.1971 के विक्रय किया गया। दया शंकर रावत द्वारा उक्त मकान का विक्रय महेन्द्र सिंह पुत्र पाला सिंह और जसवंत कौर पत्नी महेन्द्र सिंह के पक्ष में जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 06.09.1982 के किया गया। उक्त मकान की भवन निर्माण स्वीकृति संख्या-10464 दिनांक 23.07.1983 नगर परिषद कोटा द्वारा महेन्द्र सिंह पुत्र पाला सिंह के पक्ष में जारी की गई है। महेन्द्र सिंह पुत्र पाला सिंह की मृत्यु हो जाने के उपरान्त जसवंत कौर पत्नी महेन्द्र सिंह एवं हरनेक सिंह अमरजीत सिंह कुलदीप सिंह पुत्रान महेन्द्र सिंह द्वारा उक्त मकान के ग्राउण्ड फ्लोर पैमायशी 600 वर्गफुट का विक्रय गौरी शंकर पुत्र पन्नालाल को जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 16.07.1986 के किया गया तथा भूतल पर स्थित एक रूम, एक कमरे, पैमायशी 200 वर्गफीट एवं प्रथमतल पैमायशी 800 वर्गफीट का विक्रय सुनील कुमार पुत्र गौरी शंकर के पक्ष में जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 16.07.1986 के किया गया। गौरी शंकर पुत्र पन्नालाल की मृत्यु दिनांक 18.08.2006 को हो गयी है। उनके विधिक वारिसान चन्द्रकान्ता देवी (पत्नी), कमलेश मित्तल, अनिता मित्तल (पुत्रीया), सुनील कुमार गर्ग, अनिल कुमार गर्ग, प्रदीप कुमार गर्ग एवं मनोज कुमार गुप्ता (पुत्र) द्वारा उक्त सम्पूर्ण मकान का विक्रय श्रीमती दिनेश बाई पत्नी महेन्द्र सिंह निवासी-पुष्पा केमिकल के पास, छावनी, कोटा के पक्ष में विक्रय किया जाना एवं श्रीमती दिनेश बाई पत्नी महेन्द्र सिंह द्वारा उक्त मकान को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार टूहोम फाईनेन्स लिमिटेड से ऋण प्राप्त कर उक्त मकान के असल दस्तावेजात बतौर सिक्युरिटी बंधक रखा जाना प्रस्तावित है। इसमें किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, बैंक, एन.बी.एफ.सी., किसी वित्तीय संस्थान, आदि को कोई भी आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि के मध्य अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित में आपत्ति मय दस्तावेजात प्रस्तुत कर देंवे। बाद मियाद इस सम्बन्ध में कोई आपत्ति मान्य नही होगी। अत: सूचित हो।

दिनांक: 10.9.25

भवदीय,
रोहित सिंह एडवोकेट

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कोटा खण्ड कोटा

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 के अधीन नोटिस

समस्त संबंधित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 96/2025

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

श्री अजय कुमार पुत्र श्री श्योदास मीना, सी-21 सुखधाम कोलोनी एस.बी.आई. के पास पुलिस लाईन कोटा द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (2) के अन्तर्गत प्रन्यास "दीन दयाल आदर्श जन कल्याण समिति" सी-21 सुखधाम कोलोनी एस.बी.आई. पुलिस लाईन कोटा के सम्बन्ध में पंजीयन हेतु जांच किये जाने के लिये आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिये, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निर्णित किया जायेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।

आज दिनांक 08.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया। प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 12.11.2025 है।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग कोटा

कार्यालय नगर निगम, कोटा उत्तर (गैराज)

email : nnkota@gmail.com, websites : www.kotamc.org

क्रमांक :- ननिको(उ)/गैराज/2025/1362-1372 दिनांक :- 04/09/2025

निविदा संशोधन सूचना

नगर निगम कोटा उत्तर द्वारा ई- निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-10634-45/2025-26 दिनांक 14.08.2025 को जारी की गई थी। उक्त निविदा की तिथियों मे सहवन से निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

क्र.सं.	विवरण	पूर्व मे	संशोधन तारीख
01	Bid Submission End Date	05.09.2025 सांय 4 बजे	15.09.2025 सांय 6 बजे
02	Technical Bid Opening Date	05.09.2025 सांय 5 बजे	16.09.2025 दोपहर 12 बजे

राज.संवाद/सी/25/9584 उपायुक्त (गैराज)

CHAMBAL BREWERIES AND DISTILLERIES LIMITED

Corporate Identification Number: L99999RJ1985PLC046460
Registered Office: House No. 30, 2nd Floor D.A.V School Kei Pass, Talwandi, Kota, Kota, Rajasthan- 324005, India
Contact Number: +917443500607; **Email Address:** chambalbreweries@gmail.com; **Website:** www.chambalkota.in

Recommendations of the Committee of Independent Directors ("IDC") of Chambal Breweries And Distilleries Limited (herein referred as the "Target Company") in relation to the Open Offer ("Offer") made by **M/s.Invade Agro Limited (Acting through its Managing Director - Ms. Meenal Shrirang Patwardhan)** (herein referred as Acquirer)to the Public Shareholders of the Target Company under Regulation 4 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 as amended from time to time (herein referred as the "Takeover Code").

Date	**Wednesday, September 10, 2025**
Name of the Company	Chambal Breweries And Distilleries Limited
Details of offer pertaining to the Target Company	This Offer is being made pursuant to Regulation 4 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 and subsequent amendments thereto and Regulation 31(A)(5) Of SEBI (Listing Obligation And Disclosure Requirement) Regulations, 2015 for acquisition of up to19,47,077(Nineteen lakhs Forty Seven Thousand SeventySeven only)Equity Shares of Rs.10/- each at an Offer Price of Rs. 6/- per equity share, payable in cash,aggregating to Rs. 1,16, 82,462 (Rupees One Crores Sixteen Lakhs Eighty Two Thousand Four Hundred Sixty Two Only) representing 26.00% of Equity share capital.
Name of the Acquirer	**Acquirer:** M/s. Invade Agro Limited(Acting through its Managing Director - Ms. Meenal Shrirang Patwardhan)
Name of the Manager to the Offer	**Gretex Corporate Services Limited Reg. Address:** A-401, Floor 4th Plot, FP-616, (PT), Naman Midtown, Senapati Bapat Marg, Near India bulls, Dadar (West), Mumbai - 400013, India
Members of the Committee of Independent Directors (IDC)	1. Mr. Anmol Jindal 2. Mr. Rinku Goyal
IDC Members Relationship with the Target Company (Director, Equity Share Owned and Other Contract/ Relationship) if any, Trading in Equity Shares/ Securities of the target company by IDC Members	All the members of the IDC are Non – Executive Independent Directors of the Company, Except for being Directors of the Company, The Committee Member neither hold any equity shares in the company nor do they have any contract/relationship with the Target Company. None of the IDC Members have traded in any securities of Chambal during 12 months prior to the Public Announcement of the offer.
IDC Member's relationship with the Acquirer (Directors, Equity shares owned, and other contract/ Relationship) if any.	None of the IDC Members hold any contracts, nor have any relationship with the Acquirer and nor have traded in Shares of the Acquirer or related to the Acquirer.
Recommendation on Open Offer, as to whether the offer, is or is not, fair and reasonable.	Based on the review, IDC members believe that the Offer is fair and Reasonable and in line with the SEBI SAST Regulations, 2011 and is in the interest of the Public Shareholders and the Target Company.
Disclosures of the Voting Pattern of the meeting in which the open offer proposed was discussed	All the IDC Members unanimously voted in favour of recommending the open offer proposal.
Summary of reasons for recommendation	IDC Members have reviewed and Noted a. Public Announcement dated May 30,2025 b. Detailed Public Announcement dated June 06, 2025 c. Draft Letter of Offer dated June 13, 2025. d. SEBI observation letter datedAugust 28, 2025 e. Letter of Offer dated September 04, 2025 The IDC members also noted that a) The Equity Shares of the Target Company are frequently traded on BSE in terms of Regulation 2(1)(j)of the Takeover Code. b) The Offer Price is in accordance with Regulation 8 of the Takeover Code. Based on review of the above documents the members of the IDC are ofthe view that the offer price is in line with the parameters prescribed by SEBI in the SEBI SAST Regulations.
Details of Independent Advisors, if any	None
Any other matter to be highlighted	None

To the best of our knowledge and belief, after making proper enquiry, the information contained or accompanying this statement is, in all material respect, true and correct and not misleading, whether by omission of any information or otherwise, and includes all the information required to be disclosed by the Target Company under the Takeover Code.

For and on behalf of the Committee of Independent Directors of Chambal Breweries And Distilleries Limited
Sd/-
Mr. Anmol Jindal
Chairperson of Independent Director Committee

Place: Rajasthan
Date: September 10, 2025

तालाब गांव के लोकेन्द्र सिंह हत्याकांड का फरार इनामी आरोपी कोटा से गिरफ्तार

पांच हजार का इनामी अपराधी जाकिर उर्फ रिंकू पिछले 10 साल से फरार चल रहा था

कोतवाली थाना पुलिस ने लोकेन्द्र सिंह हत्याकांड के फरार इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया।

- आरोपी न तो मोबाइल का इस्तेमाल करता था और न ही सोशल मीडिया पर सक्रिय था, जिससे उसकी तलाश और मुश्किल हो गई थी

बूंदी, (निसं)। जिले में हिण्डोली थाना क्षेत्र के तालाब गांव के बहुचर्चित लोकेन्द्र सिंह हत्याकांड के फरार इनामी आरोपी को कोतवाली थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। महावीर कॉलोनी बूंदी निवासी पांच हजार का इनामी अपराधी जाकिर उर्फ रिंकू पुत्र हुसैन मोहम्मद पिछले 10 साल से फरार चल रहा था, जिसे कोतवाली थाना पुलिस ने कोटा से गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि फरार और वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए सभी थानाधिकारियों को विशेष निर्देश दिए थे, जिनकी की पालना में कोतवाली थाना प्रभारी भंवर सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्यवाही की। कोतवाली थाना प्रभारी भंवर सिंह ने बताया कि हिण्डोली थाना क्षेत्र के तालाब गांव में वर्ष 2015 में चर्चित लोकेन्द्र सिंह हत्याकांड हुआ था। इस प्रकरण में हिण्डोली पुलिस ने आरोपी जाकिर उर्फ रिंकू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर अदालत में चार्जशीट पेश की थी। जमानत पर बाहर आने के बाद आरोपी ने न्यायालय में हाजिरी देना बंद कर दिया और फरार हो गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि विशिष्ट न्यायालय, एससी, एसटी अत्याचार निवारण प्रकरण बूंदी ने आरोपी को स्थाई वारंटी घोषित कर दिया था। पुलिस की लगातार तलाशी के बावजूद पुलिस गिरफ्त से दूर रहे आरोपी जाकिर ने बूंदी स्थित अपना मकान तक बेच दिया और लंबे समय तक गुमनामी में रहा। आरोपी न तो मोबाइल का इस्तेमाल करता था और न ही सोशल मीडिया पर सक्रिय था, जिससे उसकी तलाश और मुश्किल हो गई। इसी बीच पुलिस अधीक्षक ने उस पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया। थाना प्रभारी भंवर सिंह ने बताया कि 9 सितंबर को पुलिस को आरोपी के कोटा में छिपे होने की सूचना मिली। इसके बाद तुरंत टीम गठित कर कोटा भेजा गया। पुलिस ने तकनीकी साधनों और गुप्त सूत्रों की मदद से जाकिर को ट्रेस कर धर दबोचा। आरोपी को अब अदालत में पेश किया जाएगा।

ऑयल गोदाम में आग लगी

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर इलाके के शिवसागर कॉलोनी में स्थित ऑयल गोदाम में आग लग गई। आग की सूचना पाकर नगर निगम की तीन दमकलें मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

अगिनश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि कैथून रोड़ शिवसागर कॉलोनी में एक मकान के अंदर ऑयल गोदाम में बुधवार तड़के आग की सूचना मिलते ही सब्जीमंडी फॉयर स्टेशन से दमकल को मौके के लिये रवाना किया गया। अग्निश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि उस मकान के आस-पड़ोस में कई मकान होने से स्थिति गंभीर थी। टीम ने वहां जाकर देखा तो अंदर से बाहर तक ऑयल फैला हुआ था और आग अंदर लगी हुई थी। आग की गंभीरता को देखते हुए और दमकलें मौके पर बुलाई गई। टीम ने छत से चद्दर काटकर फोम की सहायता से आग पर कंट्रोल करते हुए अंदर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया आग की चपेट में आने से एक कमरा पूरी तरह जलकर खाक हो गया। अगिनश्मन अधिकारी ने बताया कि वहीं एक खुली रसोई थी, जहां से एक सिलेंडर को बाहर सुरक्षित निकाला गया, अगर सिलेंडर ब्लास्ट हो जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। दो कमरो में किये गये ऑयल भण्डारण को भी सुरक्षित बचाया गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION BASERI

File No. 906 Date-03.09.2025

Notice Inviting Bid

Bids For NIT No. 10/2025-26 Rate contract Patch repair and Restoration work scheme SDRF under PWD Division Baseri of Subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 04.09.2025 09.30 AM to Date 11.09.2025 upto 6.00 Noon. Other Particulars of the id may be visited on the Procurementportel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://spppps.raj.nic.in) of the state: and PWD Departmental website. The approximate value of the Procurement is Rs. 45.19 Lacs.

NIB - PWD2526 A3081
UBN - PWD 2526 WSRC 11517

(Deepu Singh)
Executive Engineer
PWD Division Baseri

DIPR/C/13137/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सरदारशहर

क्रमांकः 1432-39 दिनांकः 27/08/2025

ई-निविदा सूचना सं. 13/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सरदारशहर खण्ड के अन्तर्गत मिसिंग लिंक सड़क निर्माण कार्य हेतु कुल 01 कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हों, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डिरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन-लाईन ई-निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। आर.पी.डब्ल्यू.ए.-100 की शर्त लागू होगी। ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट dipr.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। SPPP पर अपलोड NIB No. PWD2526A2939 के UBN No. निम्न प्रकार है-

UBN No. - 1. PWD2526WSOB11021

(राजेन्द्र कुमार सैनी)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड सरदारशहर

DIPR/C/12771/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांक :- 2911-2925 दिनांक :- 26-08-2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 35/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरू में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी डब्ल्यू.ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. - PWD2526A2888
UBN No.- 1. PWD2526WSOB10859, 2. PWD2526WSOB10861
3. PWD2526WSOB10863, 4. PWD2526WSOB10864

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू

DIPR/C/13114/2025

'नेपाल में रह रहे सभी भारतीय पूरी तरह सुरक्षित'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि नेपाल में रह रहे सभी भारतीय पूरी तरह से सुरक्षित हैं। पर्यटन और दर्शनार्थ की दृष्टि से वहां गए लोगों से लगातार संपर्क जारी है और उन्हें सुरक्षित लाने की व्यवस्था पूरी तरह सुनिश्चित की गई है। बुधवार को गृह नगर जोधपुर पहुंचे शेखावत ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि नेपाल में नोटम लगने के कारण किसी तरह के एयरपोर्ट ऑपरेशन नहीं हो रहा है और उनके इवेक्युएशन का कार्य आज से ही शुरू हो जाएगा। इसके लिए पहले से हमारे हवाई जहाज वहां खड़े हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच में सड़क मार्ग का रास्ता सबसे सुलभ मार्ग है। वह अब भी खुला है, लेकिन अभी एहतियात के मद्देनजर किसी भी भारतीय को कर्फ्यू के दौरान किसी भी तरह के ट्रैवल नहीं करने की हिदायत दी गई है। शेखावत ने कहा कि भारत सरकार इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है।

आलापुर में जाति बदलकर जमीन खरीदने का मामला सी.एम.ओ. पहुंचा

- छह महीने से जांच दबाकर बैठे राजस्व कर्मचारी, परेशान होकर पीड़ित ने कदम उठाया
- समाज के लोगों के साथ जल्दी ही सीएम और मुख्य सचिव से मिलेगा पीड़ित परिवार

अलवर, (निसं)। अलवर और खैरथल राजस्व विभाग के कर्मचारियों द्वारा जांच रिपोर्ट देने में देरी करने से परेशान पीड़ित आलापुर निवासी दिनेश जाटव ने अब मामले को लेकर सीएमओ आफिस में गुहार लगाई है। वह जल्दी ही समाज के लोगों के साथ मुख्यमंत्री सहित मुख्य सचिव से मिलकर भ्रष्ट और नकारा कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही और न्याय की गुहार करेगा।

अलापुर निवासी दिनेश जाटव ने बताया कि पिछले करीब छह महिने से तहसीलदार और पटवारी सहित विभागीय बाबू जाति प्रमाण की जांच को अटका कर बैठे हैं, जब भी उनसे जांच के बारे में बात की जाती है तो वे कह देते हैं कि भेज दी, लेकिन संबंधित तहसील में या तो लेटर पहुंचा ही नहीं या जहां पहुंच गया वहां उस पर कार्यवाही नहीं की जा रही, जबकि तहसीलदार लगातार उसे मार्क कर जांच के लिए भेज देते हैं, लेकिन संबंधित बाबू लेटर को दबाने में लगे हैं।

मामले के अनुसार 12 मई को अलापुर निवासी दिनेश कुमार पुत्र किशोरी लाल जाटव ने एक प्रार्थना पत्र अलवर एसडीएम को पेश किया था जिसमें लिखा कि उसकी जमीन खसरा नम्बर 22-24 को पीपली का बास तहसील किशनगढ़ बास निवासी जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह राय सिख और रणजीत पुत्र नत्था सिंह निवासी अलधाना तहसील लक्ष्मणगढ़ ने धोखाधड़ी से एससी बनकर खरीद कर ली जो कि नियम विरुद्ध है। जमीन खरीदने के बाद खरीददारों ने वापस अपनी जाति बदल ओबीसी कर ली, जिसमें तत्कालीन तहसीलदार और पटवारी ने उनकी पूरी मदद करने का आरोप लगाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने इसकी जांच के लिए आदेश जारी कर दिये, लेकिन अलवर राजस्व विभाग के विभागीय बाबू ने काफी समय तक उक्त पत्र को डिस्पैच रजिस्टर में क्रमांक संख्या 1167-1168 दिनांक 2 जून 25 अंकित कर अपने पास रख लिया।

पंचायतों के बदले समीकरण की नही विभाग को जानकारी :-यहां पर उल्लेखनीय है कि अलवर एसडीएम कार्यालय में तैनात कर्मचारियों को इस बारे में जानकारी नहीं है कि अब अलवर के जिलों का बंटवारा हो चुका है और तहसील बदल चुकी है। उन्होंने यह जांच पत्र किशनगढ़बास तहसीलदार के नाम जारी कर दिया जहां वह रद्दी की टोकरी मे पड़ा रहा। आखिर शिकायतकर्ता ने जब किशनगढ़बास तहसीलदार के पास जाकर जांच की तो मामला सामने आया कि अब खैरथल तिजारा जिले की जगता वसई गांव में चला गया है। शिकायतकर्ता के प्रयासों के बाद उक्त पत्र को खंगाला गया तो पता चला कि यह पत्र 18 जून को किशनगढ़ बास पहुंचा और तहसीलदार ने उस पर नियमानुसार कार्यवाही के आदेश 19 जून को कर दिए थे, लेकिन विभागीय बाबूओ ने इस मामले को लटकाए रखा और 25 जुलाई को एक पत्र क्रमांक आरए-25-612 खैरथल तहसीलदार के नाम पर जारी किया कि पीपली का बास जगता बसई के अंतर्गत आता है और जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह की जाति का सत्यापन कर भिजवाया जाए। आज इस पत्र को भी दो महीने से ज्यादा का समय हो गया है लेकिन विभागीय कर्मचारियों की लापरवाही के कारण इस पत्र का जवाब पिछले दो माह से नहीं आया है।

वहीं जगता बसई के पटवारी प्रेम पाल सिंह राठौड़ ने जांच के आदेश नहीं मिलने की बात कह कर पल्ला झाड़ लिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-फागी

क्रमांक-505 दिनांक-01.09.2025

ई-टेन्डिरिंग सूचना संख्या 09/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार क अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रत्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। FINANCE (G&T) DEPARTMENT NOTIFICATION Jaipur, October 22, 2021 (75A, Additional Performance Security-(1) In addition to Performance Security as specified in rule 75, an Additional Performance Security shall also be taken from the successful bidder in case of unbalanced bid. The Additional Performance Security shall be equal to fifty percent of Unbalanced Bid Amount. The Additional Performance Security shall be deposited in lump sum by the successful bidder before execution of Agreement. The Additional Performance Security shall be deposited through e-Grass. Demand Draft, Bnker's Cheque, Government Securities of Bank Guarantee.)

निविदा का कार्य	-	Various Work in PWD Division-Dudu, Jaipur (2Nos)
कुल राशि (रूपयो में)	-	रूपये 143.84 लाख
कुल धरोहर राशि (रू.में)	-	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से शनिवार 13 सितम्बर 2025 सायं 6.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से शनिवार 13 सितम्बर 2025 सायं 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	-	सोमवार, 15 सितम्बर, 2025 को सायं- 3.00 बजे
प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया	-	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6(5)/वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आन लाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क-8658-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क- 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि- 8443-00-108-00-00 ऑफिस आई.डी. 8346

UBN NO.:

(संदीप टाटीवाल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. फागी (जयपुर

DIPR/C/13078/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, P.W.D. DN. KOTRA

क्रमांक-449 दिनांक-20.08.2025

Notice Invision Bid No. 09/2025-26

NIB No.: PWD2526A2907

Bids for Various works are invited from interested bidders upto29.08.2025 10.00 AM to 11.09.2025 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal ("http://eproc.rajasthan.gov.in" and "http://sppp.rajasthan.gov.in") of the state, and department website. The approximate value of procurement of 14 Works is Rs. 287.00 Lacs.

UBN No - 1. PWD2526WSOB10965, 2. PWD2526WSOB10966, 3. PWD2526WSOB10967
4. PWD2526WSOB10968, 5. PWD2526WSOB10969, 6. PWD2526WSOB10970
7. PWD2526WSOB10961, 8. PWD2526WSOB10972, 9. PWD2526WSOB10973
10. PWD2526WSOB10974, 11. PWD2526WSOB10975, 12. PWD2526WSOB10976
13. PWD2526WSOB10977, 14. PWD2526WSOB10978

(KAPIL KUMAR AWASTHY)
EXECUTIVE ENGINEER
P.W.D. Dn. KOTRA

DIPR/C/12709/2025

Office of the Executive Engineer, PHED, Distt Rural Div I Bikaner

Email ID-eepheddn1bkn@gmail.com, Contact No. 0151-2941473

No. 1642-62 Date:03/09/25

Notice Inviting Bid : 54-60/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 15.09.2025 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 207.50 Lacs.

UBN No. PHE2526WSRC06060, PHE2526WSRC06066, PHE2526WSRC06067, PHE2526WSRC06068, PHE2526WSRC06069, PHE2526WSRC06070, PHE2526WSRC06071

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(Dharmendra Kumawat)
Executive Engineer
PHED, Distt (R) Div I Bikaner

DIPR/C/12765/2025

नीमराणा में किन्नर की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

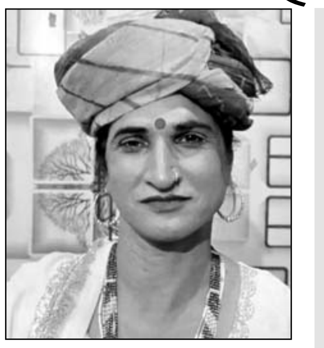

किन्नर मधु (फाइल फोटो)।

- बाइक सवार दो बदमाशों ने किन्नर मधु को उस वक्त गोली मारी, जब वह गाड़ी में बैठी थी
- प्राथमिक जांच में सामने आया है कि वारदात किन्नरों के बीच आपसी क्षेत्रीय विवाद और रुपए के लेनदेन से जुड़ी हो सकती है

अलवर, (निसं)। नीमराणा क्षेत्र में बुधवार को एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अज्ञात बाइक सवार दो बदमाशों ने किन्नर मधु को दिनदहाड़े गोली मार दी। घटना बिचपुरी रोड की बताई जा रही है। गंभीर हालत में मधु को तुरंत अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बदमाशों ने किन्नर मधु को उस वक्त गोली मारी जब वह गाड़ी में बैठी थी।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि वारदात किन्नरों के बीच आपसी क्षेत्रीय विवाद और रुपए के लेनदेन से जुड़ी हो सकती है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही नीमराणा सचखंड अस्पताल के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार गोली मारने वाले बदमाश बाइक पर सवार थे। उन्हें पकड़ने के लिए इंटर स्टेट नाकाबंदी करवाई गई है। दोनों की तलाश में पुलिस की टीमें लगी हुई हैं। इस घटना से नीमराणा और आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

चोरी की घटना का खुलासा

पावटा, (निसं)। रात में घर में घुसकर जेवरात व नकदी चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोर को प्रागपुरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने बताया कि 27 मई को शेरसिंह निवासी भिवाजी राजनौता ने प्रागपुरा थाना पुलिस थाना में मामला दर्ज करवाया था कि 16 से 19 मई तक परिवादी व परिवादी के घर का कोई सदस्य घर पर नहीं थे। रात्रि में अज्ञात व्यक्ति घर में घुसकर घर से जेवरात व नकदी चोरी कर ले गए, जिस पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सक्षम धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान करते हुए तलाश शुरू की। प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने अभियुक्त लीलू सिंह पुत्र सुरजन सिंह निवासी नांगल सालिया पुलिस थाना कोटकासिम को गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-फागी

क्रमांक-335 दिनांक-01.09.2025

ई-टेन्डिरिंग सूचना संख्या 10/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार क अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रत्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। FINANCE (G&T) DEPARTMENT NOTIFICATION Jaipur, October 22, 2021 (75A, Additional Performance Security-(1) In addition to Performance Security as specified in rule 75, an Additional Performance Security shall also be taken from the successful bidder in case of unbalanced bid. The Additional Performance Security shall be equal to fifty percent of Unbalanced Bid Amount. The Additional Performance Security shall be deposited in lump sum by the successful bidder before execution of Agreement. The Additional Performance Security shall be deposited through e-Grass. Demand Draft, Bnker's Cheque, Government Securities of Bank Guarantee.)

निविदा का कार्य	-	Various Work in PWD Division-Phagi, Jaipur (2Nos)
कुल राशि (रूपयो में)	-	रूपये 162.82 लाख
कुल धरोहर राशि (रू.में)	-	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से शनिवार 13 सितम्बर 2025 सायं 6.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से शनिवार 13 सितम्बर 2025 सायं 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	-	सोमवार, 15 सितम्बर, 2025 को सायं- 3.00 बजे
प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया	-	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6(5)/वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आन लाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क-8658-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क- 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि- 8443-00-108-00-00 ऑफिस आई.डी. 42219

UBN NO.: PWD2526WSOB11474, PWD2526WSOB11475

(संदीप टाटीवाल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. फागी (जयपुर

DIPR/C/13085/2025

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड चूरू

ई-44, अग्रसेन नगर, चूरू, E-mail: eemhchuru@yahoo.com, Ph. No. 01562-254670

क्रमांक- प.01()/चि.स्वा./खण्ड-चूरू/2025-26/411 दिनांक-20.08.2025

निविदा सूचना संख्या- 09/2025-26

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड चूरू के अन्तर्गत जिला चूरू के उप जिला अस्पताल राजगढ में फायर सिस्टम, लिफ्ट एवं एयर कंडिशनिंग एवं प्रा.स्वा. केन्द्रों पर आन्तरिक विद्युतीकरण कार्य का कार्य राशि रू. 243.11 लाख तक के कार्य के लिए निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO. NRH2526WSOB00920

अधिषाशी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
खण्ड चूरू

DIPR/C/13096/2025

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POLICE RAJ JAIPUR

V-15(3)PS/SAMGRI/New Item/2025-26/12465 DATED-01-09-2025

NOTICE INVITING BIDS

NIB NO. POL2526A0026

Bids for Many Item's of estimated value INR 70,00,000/- are invited from interested bidders up to dated 12.09.2025 at 11.00 am. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in) (https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, and https://www.police.rajasthan. gov.in

UBN.

GPS DEVICE	POL2526GLOB00081
AUDIO VEDIO PHOTOGRAPHY DEVICE	POL2526GSOB00082
NON-LINEAR JUNCTION DETECTOR	POL2526GLOB00083

Supdt. of Police
Central Stores, PHQ Raj. Jaipur
Tel-0141-2744289
Mail ID-sp.cstore.pmw@rajpolice.gov.in

DIPR/C/13036/2025

रास्ते के विवाद को लेकर मारपीट मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। भाबरू थाना क्षेत्र में रास्ते के विवाद संबंधित रंजिश पर एकराय होकर घर के अंदर घुसकर मारपीट करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया ने बताया कि 4 नवंबर 2024 को प्रार्थी रुड़मल ने मामला दर्ज करवाया था कि रास्ते सबंधी विवाद को लेकर आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया है, जिसमें उनके चोटें भी आई हैं, जिस पर भाबरू थाना पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बहरोड देवेंद्र कुमार विश्नोई द्वारा पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत त्वरित कार्यवाही करने के निर्देशों की पालना में अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में गठित टीम ने बाबूलाल पुत्र गिरधारी निवासी, जगदीश पुत्र गिरधारी, रमेश पुत्र चंदाराम, योगेश उर्फ लोकेश पुत्र बाबूलाल सभी निवासी ढाणी कोठाला तन बजरंगपुरा थाना भाबरु को गिरफ्तार किया गया।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

पूरक परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों हेतु ऑनलाईन आवेदन करने एवं शुल्क जमा कराने की तिथि एवं मुख्य परीक्षा–2026 हेतु एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित आवेदन करने की अन्तिम तिथि में संशोधन की सूचना

(A) बोर्ड की 2025 की पूरक परीक्षाओं मे उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों हेतु मुख्य परीक्षा 2026 के लिए ऑनलाईन आवदेन करने एवं शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथियां निम्नानुसार हैं :–

परीक्षा शुल्क	आवेदन पत्र भरने एवं चालान मुद्रण की आरम्भ तिथि	आवेदन पत्र भरने एवं चालान मुद्रण की अन्तिम तिथि	परीक्षा शुल्क बैंक में जमा कराने की अन्तिम तिथि	आवेदन पत्र एवं चालान नोडल केन्द्र पर जमा कराने की अन्तिम तिथि
1. सामान्य परीक्षा शुल्क	11.09.2025	17.09.2025	19.09.2025	01.10.2025
2 एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित	18.09.2025	25.09.2025	29.09.2025	01.10.2025
3. मुख्य परीक्षा, 2026 हेतु भरे गये आवेदन पत्रों में ऑनलाईन संशोधन की तिथि	01.10.2025 से 11.10.2025 तक			

विद्यालय एवं परीक्षार्थी मूल अंकतालिकाओं का इन्तजार नहीं करें एवं परीक्षा शुल्क जमा कराने की कार्यवाही शीघ्र करें। परीक्षा शुल्क नियमित परीक्षार्थियों के लिये रू. 600/– तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिये रू. 650/– निर्धारित है। प्रायोगिक परीक्षा शुल्क रू. 100/– प्रति विषय पृथक से देना होगा। विशेष योग्यजन (CWSN) तथा युद्ध में वीरगति को प्राप्त अथवा अपाहिज सैनिकों के पुत्र/पुत्रियों/ पुलवामा हमले में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों को परीक्षा शुल्क से मुक्त रखा गया है, किन्तु इन्हें टोकन शुल्क रू. 50/– जमा कराना होगा। अधिक जानकारी बोर्ड वेबसाईट http://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। बोर्ड कन्ट्रोल रूम फोन नम्बर 0145–2632866, 2632867, 2632868 पर सम्पर्क किया जा सकता है। Email ID ddexamfirst@gmail.com

(B) वर्ष 2026 की परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले समस्त नियमित परीक्षार्थियों के ऑनलाईन परीक्षा आवेदन–पत्र भरने एवं शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया गया हैं :–

परीक्षा शुल्क	आवेदन पत्र भरने एवं चालान मुद्रण की आरम्भ तिथि	आवेदन पत्र भरने एवं चालान मुद्रण की अन्तिम तिथि	परीक्षा शुल्क बैंक में जमा कराने की अन्तिम तिथि	आवेदन पत्र एवं चालान नोडल केन्द्र पर जमा कराने की अन्तिम तिथि
एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित	04.09.2025	16.09.2025	19.09.2025	01.10.2025

नोट :– समस्त विद्यालयों को नियमित एवं स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, प्रवेशिका, वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा के आवेदन–पत्र नोडल केन्द्रों पर निर्धारित दिनांक 01.10.2025 तक अनिवार्यतः जमा कराने होंगे।

सचिव

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभ्यारण, धौलपुर

महिला पुलिस थाने के पास, हाउसिंग बोर्ड, पुरानी छावनी, धौलपुर, पिन कोड-328001

Email ID : dcfwlghariyalswm@gmail.com

क्रमांक-एफ( )उपसं/वजीधौ./राचघअ./2025-26/2339 दिनांक-4/9/25

Notice Inviting Bid

Bid for providing Construction of Choki at Forest Block of Wildlife Range Vanvihar of DCF WL NCS Dholpur are invited from interested bidders upto 11:00 AM, 12.09.2025, other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the procurement is 63.94 lakhs.

UBN No. FOR2526WSOB01731

(डा. आशीष व्यास)
उप वन संरक्षक (वन्यजीव)
राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभ्यारण,
धौलपुर

DIPR/C/13166/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड जालोर

क्रमांक-अअ/जा/2025-26/1708 दिनांक-26.08.2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 12 वर्ष 2025-2026

NIB NO. PWD2526A2934

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन व सडक कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जा कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 46.45 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	03 सितम्बर 2025, 9.30 बजे से 25 सितम्बर 2025, सायं 06.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देख जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन. संख्या निम्नानुसार है।

UBN NO. 1. PWD2526WSOB11009, 2. PWD2526WSOB11010, 3. PWD2526WSOB11011, 4. PWD2526WSOB11012, 5. PWD2526WSOB11013

(शंकर लाल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड जालोर

DIPR/C/12809/2025

हमला व तोड़फोड़ करने के 10 आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। धम्बोला थाना पुलिस ने एक युवक के घर पर उसकी प्रेमिका के परिजनों द्वारा हमला कर तोड़फोड़ और आगजनी के मामले में 10 हमलावरों को गिरफ्तार किया है।

सीमलवाड़ा पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि एक युवक नाबालिग प्रेमिका को 18 दिन पहले भगा ले गया था, जिस पर प्रेमिका के परिजनों ने प्रेमी के घर वालों को उसे वापस लाकर सौंपने की बात कही थी। वहीं नहीं लाने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। नाबालिग के नहीं आने पर उसके परिवार के लोगों ने 8 सितम्बर को युवक के घर और उसके परिवार के घरों पर हमला बोल दिया। हमला होने पर प्रेमी के घर वाले अपनी जान बचाकर घर छोड़कर भाग गए। पीछे से हमलावरों ने घरों में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की थी। वहीं एक घर में रखी घास को आग के हवाले कर दिया था। पीड़ित पक्ष ने थाने में मामला दर्ज करवाया था।

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय) रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली

Mail ID-dcfb kroli.forest@rajasthan.gov.in Phone No. 07454-297007

क्रमांक-एफ( )स्टोर/उवसं.(द्वितीय)/2025-26/ दिनांक

ई-निविदा सूचना संख्या 04/2025-26

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत लाखों में (लगभग)	अमानत राशि	निविदा शुल्क	ऑन लाइन लाइन प्रक्रिया शुल्क RISL	निविदा डाउनलोड/अपलोड करने की तिथि व समय	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ऑन लाईन तकनीकी बिड खोलने की तिथि व समय	वित्तीय निविदा खोलने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	वनरक्षक चौकी निर्माण कार्य सॉफ्ट एन्कलोजर लखरूकी के पास रेंज कैलादेवी	12.56	कुल लागत का 02 प्रतिशत राशि रू. 45540/-	1000/-रू.	500/-रू	दिनांक 26.08.2025 सायं 3 बजे से दिनांक 09.09.2025 (सायं 6 बजे तक)	120 दिवस	10.09.2025 को दोपहर 12 बजे	तकनीकी बिड में पात्र पाये जाने के उपरान्त
2	रेंज कैम्पस करणपुर में रेंज कम रेजीडेंस भवन निर्माण कार्य	22.77	कुल लागत का 02 प्रतिशत राशि रू. 25120/-	1000/-रू.	500/-रू	दिनांक 26.08.2025 साय 3 बजे से दिनांक 09.09.2025 (सायं 6 बजे तक)	120 दिवस	10.09.2025 को दोपहर 12 बजे	तकनीकी बिड में पात्र पाये जाने के उपरान्त
3	वनरक्षक चौकी निर्माण कार्य टिखुटी, नाका मांतोरियाकी रेंज नैनियाकी	12.56	कुल लागत का 02 प्रतिशत राशि रू. 25120/-	1000/-रू.	500/-रू	दिनांक 26.08.2025 सायं 3 बजे से दिनांक 09.09.2025 (सायं 6 बजे तक)	120 दिवस	10.09.2025 को दोपहर 12 बजे	तकनीकी बिड में पात्र पाये जाने के उपरान्त

NIB Code - FOR2526A1204, UBN No.- FOR2526WSOB01511, FOR2526WSOB01512, FOR2526WSOB01513

(पीयूष कुमार शर्मा)
उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय) रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली

जयपुर में विरासत और विकास का अद्भुत संगम बनेगा राजस्थान मंडपम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में रीको और एनबीसीसी के बीच हुआ समझौता

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में अब ऐसा भव्य स्थल तैयार होगा, जो प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को संजोते हुए आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में बुधवार को राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) तथा राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (एनबीसीसी) के बीच ''राजस्थान मंडपम'' और उससे जुड़ी परियोजनाओं के निर्माण के लिए समझौता किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर में प्रस्तावित यह विशाल परिसर राजस्थान की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के साथ-साथ आधुनिक आवश्यकताओं को भी पूर्ण करेगा। इसमें सम्मेलन भवन, प्रदर्शनी कक्ष, राजस्थानी शिल्पकला को दर्शाने वाले मंच, आवासीय व्यवस्था, भोजनालय, व्यावसायिक उपयोग की इमारतें, तथा आकर्षक उद्यान शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ विरासत भी के संकल्प को साकार करेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान मंडपम केवल ईंट और पत्थरों की इमारत नहीं होगी, बल्कि यह राजस्थान की आत्मा, उसकी संस्कृति, परंपरा, कला, और लोक जीवन को नई पहचान देगी। यह स्थल आने वाले समय में राजस्थान की सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक बन जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जयपुर अब सम्मेलन पर्यटन का प्रमुख केन्द्र बनेगा। देश-विदेश से लोग यहां आयोजनों के लिए आएंगे, जिससे पर्यटन, रोज़गार, और स्थानीय शिल्पकारों को भी लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में बुधवार को रीको तथा एन.बी.सी.सी. के बीच ''राजस्थान मंडपम'' और उससे जुड़ी परियोजनाओं के निर्माण के लिए समझौता किया गया। इस मौके पर मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं रीको अध्यक्ष शिखर अग्रवाल, एनबीसीसी के अध्यक्ष के.पी. महादेवस्वामी मौजूद थे।

इस बैठक में मुख्यमंत्री शर्मा ने परियोजना की रूपरेखा की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि भवन निर्माण में राजस्थान की स्थापत्य शैली, लोक कलाओं, और परंपरागत रंग-रूप का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही, निर्माण के बाद इसकी देखरेख, साफ-सफाई, तथा सुरक्षा व्यवस्था भी सर्वोच्च स्तर की होनी चाहिए।

'राजस्थान मंडपम' का निर्माण जयपुर के बी-2 बाईपास क्षेत्र में रीको की भूमि पर किया जाएगा। परियोजना में राजस्थान की पारंपरिक वास्तुकला

■ सम्मेलनों, सांस्कृतिक आयोजनों और पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

के साथ-साथ नवीनतम तकनीकी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। इसके साथ ही पाँच सितारा और चार सितारा होटल, सूचना तकनीकी से जुड़ी इमारतें, तथा निवासीय और व्यवसायिक परिसर भी बनाए जाएंगे। इस अवसर पर उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि यह परियोजना न केवल जयपुर को बल्कि पूरे राजस्थान को एक नया सांस्कृतिक और आर्थिक आयाम प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह स्थल प्रदेश की कला, संस्कृति, और पर्यटन को नई पहचान देगा।

समारोह में मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं रीको अध्यक्ष शिखर अग्रवाल, एनबीसीसी के अध्यक्ष के.पी. महादेवस्वामी, तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जहाजपुर से कांग्रेस के 35 जनप्रतिनिधि भाजपा में शामिल

■ भाजपा नेता मुकेश पारीक ने दिलाई सदस्यता

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी का जनाधार लगातार विस्तार पा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रवादी सोच और विकासोन्मुखी नेतृत्व से प्रभावित होकर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। इसी क्रम में भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के 35 से अधिक प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने बुधवार को भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में इन सभी जनप्रतिनिधियों को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने सभी को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर भाजपा परिवार में उनका स्वागत किया। इस दौरान जहाजपुर-कोटड़ी विधानसभा क्षेत्र से सरपंच भैरूलाल गुर्जर, प्रेमशंकर गुर्जर, उदयलाल गुर्जर, भंवरलाल गुर्जर, सीताराम गुर्जर, जमनालाल गुर्जर सहित अनेक प्रमुख जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सभी नवदिक्षित सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा में उनका स्वागत है, और उन्हें आशा है कि सभी नेता पार्टी की विचारधारा के अनुरूप जनसेवा को सर्वोपरि रखकर कार्य करेंगे।

प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने कहा कि यह भाजपा की मजबूत नीति, संगठनात्मक कार्यशैली और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर जनता के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले यह जनप्रतिनिधि न केवल संगठन को और मजबूती देंगे, बल्कि अपने क्षेत्रों में पार्टी की नीति और कार्यक्रमों को भी प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाएंगे।इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सुरेश गर्ग, विक्रम सिंह गुर्जर, एस.के. शर्मा सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कंगला गैंग के तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। प्रताप नगर थाना पुलिस ने कंगला गैंग के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं।

पुलिस ने बदमाशों के पास से छह मोबाइल फोन सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन बरामद भी जब्त किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि प्रताप नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कंगला गैंग के तीन शातिर मोबाइल स्नेचर नरेन्द्र सिंह (20) निवासी कोटखावदा जयपुर, पुष्पेंद्र मीणा (21) निवासी कोटखावदा जयपुर और शंकर बणजारा (20) निवासी पिचौर जिला ग्वालियर हाल प्रताप नगर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। जिनके खिलाफ जयपुर शहर में कई वारदात करने के मामले दर्ज है।

सांसद सी.पी. जोशी की उपराष्ट्रपति से भेंट

नई दिल्ली/जयपुर (कासं)। भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ से सांसद सीपी जोशी ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित न्यू महाराष्ट्र सदन में भारत के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राधाकृष्णन को उनकी ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। सांसद जोशी ने कहा कि उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का राजनीतिक अनुभव, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता लोकतांत्रिक संस्थाओं को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में संसद की गरिमा और कार्यवाही की सुचारुता को और अधिक मजबूती मिलेगी।

सीपी जोशी ने कहा, उपराष्ट्रपति के नेतृत्व में संसद और लोकतंत्र की संस्थाएं और अधिक सशक्त होंगी। उनके अनुभव का लाभ पूरे देश को मिलेगा। यह भेंट एक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें लोकतंत्र की मजबूती, संसद की कार्यप्रणाली और जनहित से जुडे विषयों पर सकारात्मक संवाद हुआ।

सांस्कृतिक सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से

जयपुर। उप मुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सांस्कृतिक सेवा पखवाड़े को भव्य, सार्थक और यादगार बनाने के निर्देश दिए हैं।

यह आयोजन पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से पूरे प्रदेश में आयोजित किया जाएगा।

बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि यह पखवाड़ा केवल आयोजनों तक सीमित न रहे, बल्कि इसका मूल उद्देश्य युवाओं और विद्यार्थियों को भारतीय कला, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना होना चाहिए।

दाने-दाने में केसर का दम का दावा करने वाले शाहरुख, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ से जवाब मांगा

■ राज्य उपभोक्ता आयोग ने विमल पान मसाले का भ्रामक विज्ञापन करने के मामले में इन तीनों फिल्म अभिनेताओं और पान मासाला निर्माता जेबी इंडस्ट्रीज से 8 अक्टूबर तक जवाब तलब किया है

जयपुर (कासं)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने विमल पान मसाले के दाने-दाने में केसर का दम बताकर इसका भ्रामक विज्ञापन करने के मामले में फिल्म अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ सहित विमल पान मसाला ब्रांड के निर्माता जेबी इंडस्ट्रीज से 8 अक्टूबर तक जवाब तलब किया है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस देवेन्द्र कच्छावा और सदस्य करुणा जैन ने यह आदेश गजेन्द्र सिंह ठाकुर की अपील पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अपील में जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 के परिवाद खारिज करने के गत 12 अगस्त को दिए आदेश को चुनौती दी गई है।अपील में अधिवक्ता सुमन शेखावत ने बताया कि जेबी इंडस्ट्रीज विमल पान मसाले का निर्माण कर उसे देशभर में विक्रय करने के लिए सप्लाई करती है। वहीं तीनों अभिनेता इसकी बिक्री बढाने के लिए इसका विज्ञापन करते हैं। परिवाद में कहा गया कि विज्ञापन में बताया जाता है कि इसमें केसर का मिश्रण है। जबकि सच्चाई यह है कि केसर की कीमत करीब चार लाख रुपए प्रति किलोग्राम है और यह पान मसाला पांच रुपए में आता है। ऐसे में इसमें केसर मिलाने का दावा भ्रामक है। यह भ्रामक विज्ञापन इसलिए दिखाया जाता है कि अधिक से अधिक लोग ज्यादा से ज्यादा यह पान मसाला खरीदें और इसके निर्माता को लाभ मिले। परिवाद में बताया गया कि इन अभिनेताओं द्वारा इस पान मसाले में दाने-दाने में केसर का दम दिखाकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। जिससे एक ओर निर्माता कंपनी करोड़ों रुपए का व्यापार कर रही है और दूसरी ओर आमजन हानिकारक और स्वास्थ्य के लिए पान मसाला का सेवन कर कैंसर जैसी बीमारी को न्यौता दे रहे हैं। इसके बावजूद वे जानबूझकर आमजन को भ्रमित करने के लिए इसे केसरयुक्त बताकर विज्ञापन जा रहा है। अपील में गुहार की गई है कि विमल पान मसाला के उत्पादन और विज्ञापन पर तत्काल रोक लगाने के साथ ही इन कलाकारों को दिए राष्ट्रीय पुरस्कार वापस लिए जाए। वहीं इन पर पचास लाख रुपए का हर्जाना भी लगाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने तीनों अभिनेताओं सहित निर्माता कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण को राहत

दर्ज एफ.आई.आर. पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

■ खराब कार की मार्केटिंग करने का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने खराब कार की मार्केटिंग करने के मामले में भरतपुर के मथुरा गेट थाने में फिल्म अभिनेता शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण सहित अन्य के खिलाफ इस्तगासे के जरिए दर्ज एफआईआर में कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण सहित अन्य की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही अदालत ने भरतपुर की संबंधित कोर्ट से मामले से जुडा रिकॉर्ड भी तलब किया है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, विवेक राज बाजवा और अधिवक्ता माधव मित्र ने अदालत को बताया कि शिकायतकर्ता ने कार खरीदने के बाद उसे तीन साल तक करीब 67 हजार किलोमीटर चलाया और उसके बाद एफआईआर दर्ज कराई। मामले में फिल्मी कलाकार याचिकाकर्ताओं पर कोई स्पष्ट आरोप नहीं है। वे कार के ब्रांड एम्बेसडर हैं और उन्होंने सिर्फ कार का विज्ञापन किया था।

याचिकाकर्ता दीपिका पादुकोण तो शिकायतकर्ता के वाहन खरीदने के बाद इस ब्रांड से जुडी हैं। इसके अलावा हर वाहन की परफॉर्मेंस उसके चलाने के तरीके पर निर्भर करती है। यदि शिकायतकर्ता को कार की परफॉर्मेंस को लेकर कोई शिकायत भी थी तो इसमें कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है। शिकायतकर्ता इसे उपभोक्ता अदालत में परिवाद दायर कर चुनौती दे सकता था।

इसके बावजूद भरतपुर की निचली अदालत के पीठासीन अधिकारी ने बिना विधिक मस्तिष्क का उपयोग किए एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। ऐसे में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर में आगामी कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है।

गौरतलब है कि भरतपुर के वकील कीर्ति सिंह ने इस्तगासे के जरिए मथुरा गेट थाने में गत दिनों एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसमें कंपनी के एमडी अनसो किम, निदेशक और सीईओ तरुण गर्ग, शाहरुख खान व दीपिका पादुकोण सहित अन्य को आरोपी बनाते हुए कहा गया था कि उसने जून, 2022 में 23 लाख 97 हजार रुपए में एक कंपनी की कार खरीदी थी।

हाईवे पर कार चलाने के दौरान ओवरटेक करते समय कार पिकअप नहीं लेती और उसका सिर्फ आरपीएम ही बढ़ता है। कार के ओडोमीटर में माल फंक्शन लिखा आने का साइन नजर आता है।

वहीं तेज चलाने पर कार वाइब्रेट होने लगती है। एफआईआर में यह भी कहा गया कि जब शिकायत दी गई तो कार एजेंसी संचालक ने इसे कार निर्माण में दोष बताया। अपराध में कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ दोनों फिल्मी कलाकार भी बराबर के आरोपी हैं।

शिक्षा है बच्चे का मौलिक अधिकार : हाईकोर्ट

■ दस्तावेज में तकनीकी खामी के कारण नहीं किया जा सकता वंचित : उच्च न्यायालय

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत शिक्षा बच्चे का मौलिक अधिकार है। उसे इस तकनीकी आधार पर इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता कि उसके आधार कार्ड में वार्ड का हवाला नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने आदेश दिए हैं कि याचिकाकर्ता को पन्द्रह दिन में संबंधित स्कूल में प्रवेश दिलाया जाए। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश दिविक रंगवानी के अपने पिता के जरिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि एक बार याचिकाकर्ता को लॉटरी ड्रॉ के जरिये निजी स्कूल में प्रवेश के लिए चुन लिया गया है तो आधार कार्ड में निवास वार्ड का हवाला नहीं होने के तकनीकी आधार पर उसे खारिज नहीं किया जा सकता। आवेदन खारिज करने के बजाए स्कूल प्रशासन याचिकाकर्ता से दस्तावेजी साक्ष्य मांग सकता था।

याचिका में अधिवक्ता एम निसार खान ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने आरटीई के तहत दी वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन किया था। स्कूल प्रशासन ने गत 21 अप्रैल को उसका आवेदन यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि उसने गलत दस्तावेज पेश किए हैं। वहीं इसकी सूचना भी याचिकाकर्ता को नहीं दी। इसके बाद स्कूल ने दस्तावेज सत्यापन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 8 मई कर दिया। याचिका में कहा गया कि उसके आधार कार्ड में निवास वार्ड की संख्या दर्ज नहीं होने के कारण उसका आवेदन अस्वीकार किया गया है। जबकि याचिकाकर्ता ने 8 मई को ई-मेल के जरिए राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित दस्तावेज इस संबंध में पेश कर दिया था। इसके बावजूद स्कूल प्रशासन ने उसे प्रवेश नहीं दिया। इसका विरोध करते हुए स्कूल के अधिवक्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता के दस्तावेज में वार्ड संख्या का हवाला नहीं था। जबकि राज्य सरकार के निर्देशानुसार वार्ड विशेष में निवास करने वाले विद्यार्थी को प्रवेश में प्राथमिकता दी जाती है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता को पन्द्रह दिन में स्कूल में प्रवेश देने के आदेश दिए हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिखाई फ्लिक्स बस को हरी झंडी

यू.के. और भारत में होगा राजस्थान पर्यटन का प्रमोशन

जयपुर (कासं)। राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को जयपुर के अल्बर्ट हॉल से फ्लिक्सबस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग और अग्रणी इंटरसिटी मोबिलिटी कंपनी फ्लिक्सबस के बीच एक विशेष साझेदारी की शुरुआत हुई।

■ जयपुर में भी जल्द ही लंदन की तर्ज पर हॉप-ऑन हॉप-ऑफ बस सेवा शुरू होगी : दिया कुमारी

इस साझेदारी के तहत विरासत-थीम पर आधारित ब्रांडेड बसें भारत और यूके के प्रमुख रूट्स पर चलाई जाएंगी। ये बसें राजस्थान की धरोहर, कला और संस्कृति को देश-विदेश के यात्रियों तक पहुंचाएंगी। यूके में ये बसें लंदन से कैम्ब्रिज रूट पर और भारत में देहरादून-हरिद्वार-दिल्ली-जयपुर रूट पर संचालित होंगी।

बसों की बाहरी ब्रांडिंग पर राजस्थान के किले, महल, लोक कलाएं और ऐतिहासिक गाथाओं की झलक देखने को मिलेगी। साथ ही, प्रत्येक बस पर एक क्यूआर कोड भी प्रदर्शित होगा, जिसे स्कैन करने पर यात्री राजस्थान पर्यटन विभाग की वेबसाइट से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को जयपुर के अल्बर्ट हॉल से फ्लिक्सबस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि फ्लिक्सबस के साथ यह साझेदारी राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर प्रमोट करने की दिशा में एक अभिनव प्रयास है।

उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगी, बल्कि राजस्थान पर्यटन के लिए नए अवसर भी लेकर आएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस साझेदारी का विस्तार भविष्य में और रूट्स पर किया जा सकता है।

दिया कुमारी ने यह घोषणा भी की कि जयपुर में जल्द ही लंदन की तर्ज पर हॉप-ऑन हॉप-ऑफ बस सेवा शुरू की जाएगी।

यह सेवा पीपीपी मॉडल (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) पर आधारित होगी और इससे पर्यटकों को एक ही टिकट पर जयपुर के प्रमुख स्थलों की यात्रा करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि राजस्थान का हर पर्यटक अनुभव समृद्ध, सुविधाजनक और यादगार हो। हॉप-ऑन हॉप-ऑफ सेवा से जयपुर में पर्यटन गतिविधियों को नया प्रोत्साहन मिलेगा।

इस अवसर पर फ्लिक्सबस इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सूर्या खुराना और पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियार भी उपस्थित रहे। उन्होंने साझा किया कि इस साझेदारी को डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचारित किया जाएगा। साथ ही, जयपुर पहुंचने वाले पहले 100 फ्लिक्सबस यात्रियों को अल्बर्ट हॉल संग्रहालय में निःशुल्क प्रवेश की सुविधा भी दी जाएगी। यह साझेदारी न केवल राजस्थान की सांस्कृतिक छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाएगी, बल्कि राज्य में पर्यटन और अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा देगी।

विधानसभा का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को सोलहवीं विधानसभा का चतुर्थ सत्र मध्यान्ह पश्चात 4:58 बजे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया। सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। 1 सितम्बर से जारी यह सत्र कुल 6 बैठकों में फैला और लगभग 18 घंटे 40 मिनट तक चला।

देवनानी ने बताया कि विधानसभा ने 91 प्रतिशत से अधिक प्रश्नों के उत्तर समय पर प्राप्त किए। पहले तीन सत्रों में क्रमशः 2073/2098, 7657/7945 व 8351/9701 प्रश्नों के जवाब विधानसभा को मिले। इस सत्र में कुल 3008 प्रश्न प्राप्त हुए - जिनमें से 1237 तारांकित, 1770 अतारांकित और 1 अल्प सूचना प्रश्न शामिल था। इनमें से 120 तारांकित सूचीकृत थे, जिनमें से 53 पूछे गए और उत्तर दिए गए; 119 अतारांकित प्रश्न भी सूचीबद्ध रहे। प्रक्रिया के नियम?131 के अंतर्गत 1686 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 1575 के उत्तर विधानसभा को समय पर प्राप्त हुए - लगभग 78 प्रतिशत की प्रभावशाली उपलब्धिनियम?295 के अंतर्गत 337 विशेष उल्लेख प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 307 के उत्तर समय पर आए - 94 प्रतिशत जवाब दर! इसके अलावा नियम?50 के अंतर्गत 134 स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 21 प्रस्तावों पर सदन में चर्चा हुई और 17 विधायकों ने अपने विचार रखे। सदस्यों द्वारा कुल 267 पर्चियाँ प्रस्तुत की गईं, जिनमें से 20 को चयनित कर सदस्य सदन में अपनी बात रख सके।

अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा ने किया जिला अधिकारियों से संवाद

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा ने बुधवार को प्रदेश के सभी जिला अधिकारियों से वीसी के माध्यम से जुड़कर समीक्षा बैठक ली। मुख्यालय स्थित अंबेडकर भवन के सभागार में अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान शहर चलो/ग्रामीण सेवा शिविर-2025, समाज कल्याण सप्ताह (1-7 अक्टूबर 2025) की पूर्व तैयारी की समीक्षा की गई।

इसके अतिरिक्त छात्रवृत्ति योजना, छात्रावासों, आवासीय विद्यालयों, नशा मुक्ति केंद्रों, वृद्धाश्रम आदि संस्थानों के नियमित निरीक्षण, मुख्यमंत्री अनुप्रति योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में नए आवेदनों सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। अरोड़ा ने कहा कि अभियान के तहत सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में शत-प्रतिशत सत्यापन करने, पात्र लोगों को जोड़ने और अपात्रों की पहचान करने, पालनहार योजना के तहत पात्र बच्चों की पहचान कर सत्र 2025-26 में नवीनीकरण करने, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत नवीन आवेदन करवाने और लंबित आवेदनों के आक्षेप का निस्तारण करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष योग्यजनो के प्रमाण-पत्र व कार्ड जारी करने, अंग उपकरण चिह्नीकरण करने और अंग उपकरण वितरण के लिए संभावित लाभार्थियों का चयन करने के भी निर्देश दिए। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान विभागीय योजनाओं से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निस्तारण और आमजन को योजनाओं से लाभान्वित करने का बेहतर मंच साबित हो सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार, लाभ से वंचित पात्र अभ्यर्थियों की समस्या समाधान और प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण सप्ताह के दौरान समाज स्वयंसेवी संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों की सहभागिता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त निदेशालय विशेष योग्यजन केसर लाल मीना, वित्तीय सलाहकार अंजू सिंह, अतिरिक्त निदेशक हरिसिंह मीना, उपनिदेशक दीपाली भागोतिया, अतिरिक्त निदेशक सुण्डाराम मीना, अशोक जांगिड़, रीना शर्मा, अरविंद सैनी, चंद्रशेखर चौधरी, सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

मांडलगढ़ में किसानों ने फसल खराबे के मुआवजे की मांग को लेकर रैली निकाली

कार्यालय पर उपखण्ड अधिकारी के नहीं मिलने पर किसानों को एक घंटे तक धूप में खड़े रहना पड़ा

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ पंचायत समिति से हजारों किसान फसल खराबे पर मुआवजे की मांग को लेकर कस्बे में रैली निकालकर उपखण्ड कार्यालय पहुंचे और पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह, प्रधान जितेंद्र मूंदड़ा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को कार्यालय पर बुला कर ज्ञापन दिया। इस दौरान कार्यालय पर उपखण्ड अधिकारी के नदारद मिलने पर पीड़ित किसानों को करीब एक घण्टे तक धूप में खड़े होकर नारेबाजी और प्रदर्शन करना पड़ा। पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह ने ज्ञापन लेने के लिए एसडीएम को फोन कर बुलाया गया।

मांडलगढ़ में बारिश की अतिवृष्टि से पीड़ित किसानों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

> ■ **"मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में लगातार बारिश और अतिवृष्टि से किसानों की खेतों में खड़ी की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं"**

मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पीड़ित किसानों को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में लगातार बारिश और अतिवृष्टि से किसानों खेतों में खड़ी की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। खेतों में खड़ी फसल नष्ट होने से किसान भारी संकट में हैं। इस मामले में सरकार और प्रशासन गम्भीर नजर नहीं आ रहा है, किसानों को दीपावली से पूर्व मुआवजा नहीं मिला तो किसानों को आंदोलन की राह पकड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा।

पंचायत समिति प्रधान जितेंद्र मूंदड़ा ने कहा कि मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में इस वर्ष अधिक वर्षा एवं लगातार पानी भराव के कारण क्षेत्र के अधिकांश किसानों की फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। खरीफ की फसल में सोयाबीन, मक्का, मूंग, उड़द एवं अन्य दलहन व तिलहन फसलें खेतों में सड़ गई है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और उनकी आजीविका पर संकट गहरा गया है। उन्होंने कहा कि किसान वर्ग पहले से ही कर्ज एवं आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण अब स्थिति और गंभीर हो गई है। सरकार प्रभावित किसानों के लिए तत्काल सर्वे करवा कर उचित मुआवजा राशि प्रदान करने की जल्द घोषणा करें, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें और आगामी रबी सीजन की बुवाई के लिए तैयार हो सकें।

पीड़ित किसानों का आरोप है कि बार-बार गुहार लगाने के बावजूद सरकार और प्रशासन ने अब तक कोई सुध नहीं ली। नुकसान का भौतिक सर्वे तक नहीं किया गया, जिससे मुआवज़ा मिलने की उम्मीद भी धूमिल होती जा रही है। कुछ किसानों का मानना है कि समय पर राहत पैकेज न मिलने से किसान कर्ज़ और आत्महत्या जैसे हालातों की ओर धकेले जा सकते हैं। ग्रामीण अंचलों में किसान अब आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द ही मुआवज़े की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो वे सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।

ज्ञापन देने में पूर्व प्रधान कन्हैयालाल जाट, भैरू लाल जाट, विधायक प्रत्याशी भैरूलाल गुर्जर, कांग्रेस नेता कुलदीप सिंह, भवानी शंकर शर्मा, पंचायत समिति सदस्य धनराज जाट,सरपंच रामजस दाधीच, सरपंच प्रतिनिधि मोतीलाल जाट, मुकेश खटीक सहित कई जनप्रतिनिधि और कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी तथा किसान व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

व्यापारी की हत्या व जेवर लूट मामले का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

घटना 27 अगस्त को उस समय हुई थी, जब व्यापारी दुकान बंद कर घर लौट रहा था

बयाना पुलिस ने सर्राफा व्यापारी से लूट की वारदात का पर्दाफाश कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद के निर्देशन में बयाना पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए बयाना में सर्राफा व्यापारी से हुई लूट की सनसनीखेज वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में पांच जनों को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपियों के कब्जे से हथियार बरामद किये हैं।

> ■ **बाइक सवार बदमाशों ने व्यापारी को गोली मारकर ज्वैलरी व नकदी का बैग लूट लिया था**

जानकारी के अनुसार घटना 27 अगस्त को उस समय हुई थी जब व्यापारी दुकान बंद कर घर लौट रहा था। सालावाद फाटक के पास बाइक सवार बदमाशों ने व्यापारी को गोली मारकर ज्वैलरी व नकदी से भरा बैग लूट लिया था। पुलिस को इनपुट मिलने पर एएसपी बयाना हरिराम कुमावत व वृताधिकारी कृष्णराज जांगिड़ के नेतृत्व में कई टीमें गठित की गईं। गढीबाजना थानाधिकारी पृथ्वीसिंह की टीम की बदमाशों से मुठभेड़ हुई, जिसमें पांच आरोपी गिरफ्तार किए गए। आरोपियों से दो अवैध देशी कट्टे, आठ जिंदा कारतूस, सात खाली खोखे, सात मोबाइल व घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। गिरफ्तार आरोपी आगरा, भरतपुर व धौलपुर क्षेत्र के निवासी हैं, जिनमें एक महिला भी शामिल है।

हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने से दो युवकों की झुलसने से मौत

उदयपुर, (कासं)। जिले के सायरा थाना क्षेत्र के पानेर गांव 33 केवी बिजली लाइन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवकों के शव खेत में 100 मीटर की दूरी पर पड़े मिले। वहीं बिजली तार भी टूटा पड़ा मिला है।

> ■ **फाल्ट ढूंढने पहुंचे बिजली कर्मचारियों को जंगल में शव पड़े मिले, पुलिस मौके पर पहुंची**
>
> ■ **'जांच में सामने आया है कि दोनों युवक जंगल के बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के तार चोरी करने आए थे'**

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब दो बजे अचानक पानेर गांव इलाके की लाइट गुल हो गई थी। सुबह 9 बजे तक जब बिजली सप्लाई सुचारू नहीं हुई तो लोगों ने इसकी सूचना बिजली विभाग को दी। इस पर बिजली विभाग के कर्मचारी 33 केवी लाइन में फाल्ट ढूंढने निकले, तब हादसे का पता चला। थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत ने बताया कि फाल्ट ढूंढने निकले बिजली विभाग के कर्मचारियों को खेत में बिजली लाइन के तार टूटे पडे मिले वहां दो युवकों के शव भी पड़े हुए थे। शव बुरी तरह झुलसे हुए थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद दोनों के शवों को सायरा हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया। थानाधिकारी के अनुसार प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवक जंगल के बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के तार चोरी करने आए थे। दोनों के शव कुछ दूरी पर खेत में पड़े मिले हैं। वहां लकड़ी और आंकडेनुमा सामान भी मिला। वहां चप्पल भी पड़ी मिली। संभवतया हाईटेंशन लाइन के तार तोड़ते समय यह हादसा हो गया। दोनों शवों की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं पुलिस और बिजली विभाग की टीम जांच में जुटी है।

प्रेम प्रसंग में युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के मथुरा गेट थाना इलाके में युवक ने लव अफेयर में खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। आत्महत्या से पहले युवक ने पड़ौस में रहने वाली महिला के हाथ में गोली मारी। महिला के परिजनों का कहना है वह एक तरफा प्यार करता था। मथुरा गेट थाना इलाके में रामबाबू (45) किराए पर रहता था। बुधवार को सुबह करीब 10 बजे महिला (42) का पति घर से बाहर चला गया था। इसके बाद रामबाबू उसके घर पहुंच गया। उसने पहले महिला को गोली मारी, इसके बाद खुद को गोली मार ली। महिला के हाथ में गोली लगी है। एसपी दिगंत आनंद ने बताया कि रामबाबू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के कारणों का कुछ पता नहीं लग पाया है।

> ■ **आत्महत्या से पहले युवक ने पड़ौस में रहने वाली महिला के हाथ में गोली मारी, युवती का अस्पताल में उपचार जारी**
>
> ■ **घायल महिला ने बताया कि युवक रामबाबू उसे चार साल से परेशान कर रहा था, कई बार पुलिस में शिकायत भी की थी**

घायल महिला ने बताया कि रामबाबू उसे चार साल से परेशान कर रहा था। कई बार पुलिस में शिकायत भी की थी। वह पुलिस से छूट आता और फिर से परेशान करता था। उसकी देवरानी (35) घर पर अकेली थी। महिला का पति और उसका देवर मोबाइल की शॉप करते हैं। महिला के पति और देवर दुकान पर गए हुए थे। रामबाबू उनके पड़ौस में रहता था। वह पड़ौसियों के घर से कूदकर महिला के घर में घुसा। आते ही उसने महिला का गला दबाने की कोशिश की। महिला ने इसका विरोध किया। रामबाबू ने कट्टा निकालकर गोली चला दी। महिला भागते हुए नीचे आई और अपने देवरानी को घटना के बारे में बताया। देवरानी ने अपने पति को फोन कर घटना के बारे में बताया। महिला का देवर घर पहुंचा और अपनी भाभी के कमरे में जाकर देखा तो रामबाबू का शव पड़ा था। पास में हथियार भी था। महिला के देवर ने तुरंत अपने भाई को बुलाया। महिला को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। देवर ने पुलिस को भी घटना की सूचना दी। पुलिस ने रामबाबू के शव को आरबीएम हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भिजवाया। साथ ही एफएसएल की टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए। फिलहाल रामबाबू के शव को आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया है। महिला का इलाज आरबीएम हॉस्पिटल में जारी है।

रामबाबू की बहन मथुरा गेट थाना इलाके के गुलाल कुंड में रहती है। जैसे ही उन्हें घटना का पता लगा तो, वह मौके पर पहुंची। मृतक रामबाबू मूलतः डीग जिले के सीकरी का रहने वाला था, अभी मथुरा गेट थाना इलाके में रहता था। उसके तीन बच्चे हैं। पत्नी कोलकाता की रहने वाली है और वहीं रहती है।

मंदिर में दम्पती से हुई लूट का खुलासा, तीन गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। भूपालसागर थाना क्षेत्र के फलासीया जागीर माता जी के मन्दिर में सोती हुई महिला के गले में से सोने की रामनामी व दो मादलीये एवं सोते हुए व्यक्ति के हाथों में पहने हुए चांदी के कड़े लूटकर ले जाने के मामले में भूपालसागर थाना पुलिस ने साइबर सेल की मदद से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से सोने की रामनामी दो व सोने के दो मादलीये व चांदी के दो कड़े बरामद किए हैं।

पुलिस ने लूट के आरोपियों को गिरफ्तार कर सोने व चांदी के जेवरात बरामद किए।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि गत तीन फरवरी की मध्य रात्रि को फलासीया जागीर माता जी के मन्दिर में सोती हुई महिला के गले में से सोने की रामनामी व दो मादलीये व सोते हुए व्यक्ति के हाथों में पहने हुए चांदी के कड़े लूट कर ले जाने के मामले में फरार आरोपियों की तलाश कर गिरफ्तार करने व माल बरामद करने के लिए एएसपी सरिता सिह व वृताधिकारी कपासन हरजी लाल यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी लादुलाल सौंलकी उ नि व जाप्ता एएसआई जमना त्रिपाठी, तेजमल, कानि. राजमल, ओमप्रकाश, राधेश्याम, पीराराम व अनिल, साइबर सेल के हैड कानि. राजकुमार, कानि. रामनरेश, राजेश, रामावतार व गणपत कानि. साइबर सैल द्वारा बंशीलाल पुत्र प्यारा कालबेलीया (जोगी) निवासी नई आबादी अम्बावली किरतपुरा थाना बड़ी सादड़ी जिला चित्तौड़गढ़, मुकेश पुत्र नानुराम कालबेलीया निवासी बनाकीया कला थाना कपासन जिला चित्तौड़गढ़ हाल खातरीया चौकड़ी थाना खातरेच जिला अहमदाबाद व नारायण कालबेलीया पुत्र परथा उर्फ पृथ्वीराज कालबेलीया निवासी पीपली गुजरान थाना भदेसर जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पुलिस अभिरक्षा (रिमाण्ड) प्राप्त किया जाकर आरोपी बंशीलाल, मुकेश व नारायण कालबेलीया से प्रकरण में लूट का माल बरामद किया।

उदयरामसर में 1.19 हेक्टेयर जमीन फर्जी तरीके से बिकी, मामला दर्ज

बीकानेर, (निसं)। मुंबई में स्टॉक मार्केट का काम करने वाले विजयरतन बी. मित्तल की उदयरामसर में 1.19 हेक्टेयर जमीन है, जो राजस्व रिकॉर्ड में उसके नाम से अंकित है। कृषि भूमि पर चारों ओर तारबंदी है और काश्तकार काश्त कर रहा है। व्यापारी ने अपनी कृषि भूमि की ऑनलाइन जमाबंदी निकलवाने के लिए सर्च किया तो वह चौंक गया। खातेदारी कृषि भूमि का इंतकाल और जमाबंदी नोखा में माडिया निवासी सुभाष बिश्नोई के नाम से दर्ज है।

जमाबंदी में आए नोट के आधार पर उप पंजीयक कार्यालय से कृषि भूमि की नकल ली तो पता चला कि कृषि भूमि का बयनामा कराया गया है। बयनामा पर व्यापारी की जगह किसी अन्य शख्स का फोटो है। आधार कार्ड और पैन नंबर भी लिखा है, जो व्यापारी के नहीं हैं। फर्जी दस्तावेज तैयार कर व्यापारी की कृषि भूमि का बयनामा तैयार कर जमीन बेच दी गई। उप पंजीयक कार्यालय में 10 जुलाई, 25 को सुभाष बिश्नोई के नाम बयनामा है, जबकि इस दिन व्यापारी मुंबई ही था। उसकी जमीन फर्जी तरीके से हड़पने के लिए सुभाष बिश्नोई, गवाह गंगाशहर में सारड़ा चौक निवासी अनुराग कुमावत, चूरू में रतनगढ़ निवासी बृजलाल तथा अज्ञात व्यक्ति जिसने बयनामा में व्यापारी की जगह फर्जी फोटो लगा रखी है। मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और जमीन हड़पने के लिए बयनामा तैयार किया। व्यापारी को इसका पता चलने पर वह बीकानेर आया और सदर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

वैर क्षेत्र के हाथोड़ी, बल्लभगढ़ व वैर कस्बे की बावड़ियों को संरक्षण की दरकार

ये बावड़ियां वर्तमान में अपनी आभा व पहचान खो चुकी है, लेकिन इनके महराब, बरामदे, कलाकृति युक्त खंभों की पच्चीकारी आज भी दर्शनीय हैं

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले में अनेक ऐसे पुरा महत्व के स्थल हैं, जिनका जीर्णोद्धार कर विकसित कर दिये जाये तो ये स्थल पर्यटन मानचित्र पर आ सकते हैं। पर्यटन से जुड़ने के बाद इन स्थलों पर रोजगार के वैकल्पिक रोजगार के संसाधन विकसित होंगे जिससे क्षेत्र के निवासियों को लाभ मिलेगा। ऐसे ही परम्परागत जल स्त्रोत एवं ऐतिहासिक विरासत की पहचान रही वैर पंचायत समिति क्षेत्र के हाथोड़ी, बल्लभगढ़ व वैर कस्बे की बावड़ियां हैं, जो वर्तमान में अपनी आभा व पहचान को खो चुकी है, लेकिन इनके निर्माण के दौरान बनाये गये महराब, बरामदे, कलाकृति युक्त खंभों की पच्चीकारी आज भी दर्शनीय है। इन बावड़ियों के संरक्षण के संबंध में समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अलग से 5 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत करने की मांग की है।

वैर पंचायत समिति क्षेत्र के हाथोड़ी, बल्लभगढ़ व वैर कस्बे की बावड़ियां हैं, जो वर्तमान में अपनी आभा व पहचान खो चुकी है।

> ■ **समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, संरक्षण के लिए 5 करोड़ का बजट स्वीकृत करने की मांग की**

गुप्ता द्वारा लिखे गये पत्र में कहा है कि इन बावड़ियों के जीर्णोद्धार कर विकसित करने के बाद इन पर न केवल पर्यटन गतिविधियां बढ़ेंगी बल्कि क्षेत्र के निवासियों को पेयजल व सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा इसके अलावा ये बावड़ियां भविष्य की पीढ़ियों के लिए जीवित धरोहर के रूप में बनी रह सकेगी।

पत्र में उन्होंने कहा है कि इन बावड़ियों के जीर्णोद्धार के बाद इनके नियमित संरक्षण की व्यवस्था करना भी आवश्यक है, अन्यथा कामा के चील महल, खानुआ के राणा सांगा स्मारक की तरह जीर्णोद्धार पर व्यय की गई लागत बेकार चली जायेगी। इसी प्रकार वैर कस्बे के सफेद महल जिसके जीर्णोद्धार व विकास पर पहले करोड़ों रुपये व्यय हुए, लेकिन रख-रखाव के अभाव यह राशि बेकार चली गई, किन्तु अब राज्य सरकार ने पुनः बजट आवंटित कर सफेद महल के सौंदर्यीकरण व विकास का कार्य शुरू कराया। पत्र में कहा है कि इसी प्रकार की बावड़ियां धौलपुर व दौसा जिले के बांदीकुई के पास थी जिनके जीर्णोद्धार व विकास के बाद ये पर्यटन गतिविधियों से जुड़ गई। इसी तरह वैर की इन तीनों बावड़ियों का विकास करा दिया जाये तो ये भी पर्यटन मानचित्र पर आकर यहां भी पर्यटन गतिविधियों शुरू हो सकती है, जिससे क्षेत्र के निवासियों को रोजगार के संसाधन मुहैया हो सकेंगे।

जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ. पी एस भाटी और न्यायाधीश संदीप तनेजा ने राज्य सरकार और राजस्थान सिविल सेवा अपीलेट अधिकरण के अध्यक्ष की ओर से पेश अधिवक्ताओं को निर्देश दिए कि वे आगामी पेशी 16 सितंबर तक रिपोर्ट पेश करें कि हाइकोर्ट के आदेश की पालना में पिछले छह माह में जोधपुर में अधिकरण की न्यायिक कार्रवाई कितने दिन तक कार्यरत रही।

राजस्थान हाइकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष सिसोदिया, वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद पुरोहित और अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि 19 जुलाई 2022 को खंडपीठ ने अपने विस्तृत आदेश में राज्य सरकार को निर्देश दिया कि जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ गठित करें और तब तक जोधपुर में चल पीठ 8 दिन तक प्रति माह न्यायिक कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस पर जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ की अधिसूचना 4 मई 2023 को जारी कर दी तथा 12 सितम्बर 2023 को आदेश जारी कर जोधपुर पीठ का क्षेत्राधिकार तय कर जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर,पाली और बांसवाड़ा संभाग के सभी जिलों को जोधपुर पीठ में शामिल कर सभी नई एवं पुरानी अपीलों और पत्रावलियों की सुनवाई जोधपुर पीठ के समक्ष करने का निर्देश दिया और इसी अनुरूप गैर न्यायिक सदस्य और स्टाफ की नियुक्ति कर दी गई, लेकिन वास्तविक रूप में जोधपुर में स्थाई पीठ कार्यरत नहीं रही। उन्होंने कहा कि खंडपीठ ने गत 29 जनवरी को राज्य सरकार और अधिकरण अध्यक्ष को निर्देश दिए कि हाइकोर्ट के 19 जुलाई 2022 के आदेश की पालना में जब राज्य सरकार ने जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ की अधिसूचना जारी कर दी है तो फिर चल पीठ ही कैसे कार्यरत है सो वास्तविक रूप में जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ में सदस्यों की नियुक्ति कर कार्यरत करें। प्रार्थी अधिवक्तागण ने कहा कि राज्य सरकार और अधिकरण अध्यक्ष को निर्देश दिया जाएं कि जोधपुर में अविलंब अधिकरण की स्थाई पीठ जोधपुर क्षेत्राधिकार के अनुरूप न्यायिक कार्रवाई प्रारंभ करें।

15 वर्षीय आरव ने 54 सेकंड में विश्व का मानचित्र बनाया

कोटा, (निसं)। शिक्षा नगरी कोटा ने एक बार फिर अपनी असाधारण प्रतिभा से देशभर का सिर गर्व से ऊंचा किया है। शहर के मात्र 15 वर्षीय युवा कलाकार आरव शर्मा ने अपने अद्भुत हुनर के दम पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2025 में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया है। आरव की यह उपलब्धि वास्तव में अविश्वसनीय है। इस प्रतिभावान बालक ने केवल 54 सेकंड की अल्प अवधि में पेंसिल की सहायता से कागज पर संपूर्ण विश्व का भौतिक मानचित्र बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह रिकॉर्ड न केवल उसकी तीव्र बुद्धि का परिचायक है, बल्कि उसकी कलात्मक दक्षता और एकाग्रता का भी जीवंत प्रमाण है। आरव के गौरवान्वित माता-पिता अजय और अल्का शर्मा ने बताया कि पिछले 2.5 वर्षों से उनका पुत्र इस विशेष कला में निरंतर अभ्यासरत था। प्रारंभ में वह हरे बोर्ड पर चाक से मानचित्र बनाने का अभ्यास करता था। धीरे-धीरे उसकी गति और सटीकता में उल्लेखनीय सुधार आया।

वो मेरे लिए बहुत बड़ा दिन था। मैं 5 गेंदों प 5 छक्के लगा चुका था और लोग मुझे जानने लगे थे इसलिए मुझे लग रहा था कि शायद चीजें आसान हो जाएं। उस समय प्रिया के पिता को नहीं पता था कि रिंकू सिंह कौन है? और उन्हें क्रिकेट में कोई दिलचस्पी नहीं थी। – रिंकू सिंह

भारतीय खिलाड़ी, अपनी निजी जिन्दगी के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ जोफ्रा आर्चर

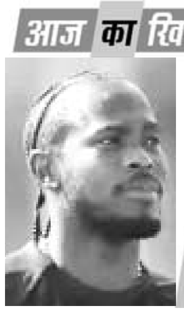

इंग्लैंड के स्टार गेंदबाज जोफ्रा आर्चर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हारी हुई श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी पुरुष एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में 16 पायदान की छलांग लगाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा अपडेट के अनुसार आर्चर ने दूसरे और तीसरे मैच में लगातार 62 रन देकर चार और 18 रन देकर चार विकेट लिए, जिसकी बदौलत उन्हें 16 पायदान का उछाल मिला। तीसरे मैच में इंग्लैंड ने साउथम्प्टन में रिकॉर्ड 342 रनों से जीत दर्ज करके ऐतिहासिक जीत हासिल की थी।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम ने रिकॉर्ड आठ बार एशिया कप का खिताब जीता है। तीन कप्तानों ने दो-दो बार एशिया कप खिताब जीतने में सफलता हासिल की। इसमें एमएस धोनी रोहित शर्मा और मो. अजहरुद्दीन का नाम शामिल है।

भारत ने यूएई को नौ विकेट से हराया, कुलदीप यादव का कहर

दुबई, 10 सितंबर। कुलदीप यादव सात रन देकर (चार विकेट) और शिवम दुबे चार रन देकर (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद अभिषेक शर्मा (30) और शुभमन गिल (नाबाद 20) के दम पर भारत ने बुधवार को एशिया कप के दूसरे मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 93 गेंदे शेष रहते नौ विकेट से हरा दिया। 58 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करने उतरी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। चौथे ओवर में जुनैद सिद्दीकी ने अभिषेक शर्मा को आउटकर यूएई को पहली सफलता दिलाई।

अभिषेक शर्मा ने 16 गेंदों में तीन छक्के और दो चौके लगाते हुए 30 रनों की पारी खेली। शुभमन गिल ने नौ गेंदों दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 20) रन बनाये। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दो गेंदों में एक छक्का लगाते हुए (नाबाद सात) रन बनाये। भारत ने 4.3 ओवर में एक विकेट पर 60 रन बनाकर नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया।भारत ने न केवल बड़े अंतर से मैच जीता है बल्कि अपने इरादे भी स्पष्ट कर दिए हैं कि वह इस टूर्नामेंट में किस तरह का क्रिकेट खेलने जा रहा है। 93 गेंद रहते हुए भारत ने यह मैच अपने नाम कर लिया।

पहले गेंदबाजी करते हुए महज 57 रनों पर यूएई को रोका और फिर अभिषेक के आते ही हल्ला बोल दिया। गिल ने भी पूरी तरह से साथ दिया और भारत को जीत हासिल करने के लिए मात्र 27 गेंदों का सामना किया। यूएई के लिए एकमात्र विकेट जुनैद सिद्दीकी ने लिया। इससे पहले आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी यूएई के लिए आलीशान शराफु और कप्तान मुहम्मद वसीम ने पहले विकेट के लिए 26 रन जोड़े। चौथे ओवर में जसप्रीत बुमराह ने आलीशान शराफू 17 गेंदों में 22 रन को आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने मोहम्मद जोहैब (दो) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे यूएई का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। यूएई के नौ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। राहुल चोपड़ा (तीन), हर्षित कौशिक (दो), हैदर अली (एक) और मोहम्मद वसीम (19) को कुलदीप यादव ने आउट किया। आसिफ़ ख़ान (दो), ध्रुव पराशर (एक) और जुनैद सिद्दीकी (शून्य) को शिवम दुबे ने अपना शिकार बनाया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे यूएई की पूरी टीम 13.1 ओवर में 57 रन सिमट गई। भारत के लिए कुलदीप यादव ने 2.1 ओवर में सात रन देकर चार विकेट झटके। शिवम दुबे ने दो ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लिये। जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

4-2 से जीत के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने कोरिया पर सुपर-3 की शुरुआत की

हांगझाऊ, 10 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने महिला एशिया कप 2025 में अपने सुपर4 अभियान की शुरुआत कोरिया पर 4-2 की शानदार जीत के साथ की, जिसमें उन्होंने आक्रामक और अनुशासित रक्षापंक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। यह जीत वैष्णवी विट्ठल फाल्के, संगीता कुमारी, लालरेमसियामी और रुतुजा दादासो पिसल के गोलों की बदौलत मिली, जबकि युजिन किम के दो गोलों ने कोरिया को मुकाबले में बनाए रखा। भारत ने शानदार शुरुआत की और पहले दो मिनट में ही एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। सेट-पीस से, उदिता के शुरुआती शॉट को रोकने के बाद, इंजेक्टर वैष्णवी ने रिबाउंड पर गेंद को गोल में डालकर भारत को शुरुआती बढ़त दिला दी।

इस त्वरित सफलता के बाद, भारत ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और व्यवस्थित हमले किए, जिससे कोरिया रक्षात्मक स्थिति में रहा। पहले क्वार्टर में और मौके बनाने और अतिरिक्त पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने के बावजूद, भारत पहले हाफ में 1-0 की मामूली बढ़त के साथ गया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपना दबदबा जारी रखा, ज़ोरदार दबाव बनाया और तेज, उद्देश्यपूर्ण पासिंग से कोरिया के सर्कल को भेदा। कोरियाई डिफेंस और गोलकीपर सियोयोन ली क्वार्टर के अंत तक भारत की बढ़त को रोकने में कामयाब रहे, जब कोरिया को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। भारतीय गोलकीपर बिचु देवी खारिबाम ने एक महत्वपूर्ण बचाव करते हुए हाफटाइम तक अपनी टीम की बढ़त बरकरार रखी।

तीसरे क्वार्टर में और भी ज़्यादा सक्रियता देखी गई क्योंकि कोरिया ने शुरुआत में ही अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की, लेकिन भारत के पलटवार का फायदा मिला। रुतुजा ने कुशलता से तीन डिफेंडरों को छकाते हुए संगीता को गेंद सौंपी, जिन्होंने नजदीक से गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। कोरिया ने तुरंत जवाब दिया और युजिन किम ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। हालांकि, भारत ने संयमित और लगातार आक्रमण जारी रखा और 40वें मिनट में लालरेम्सियामी के शानदार गोल ने दो गोल की बढ़त दिला दी, जिससे भारत अंतिम क्वार्टर में 3-1 की बढ़त के साथ मजबूती से आगे बढ़ गया। चौथे क्वार्टर में कोरिया ने लंबी हवाई गेंदों से वापसी की कोशिश की।

आर.आर. क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 10 सितम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में आर आर क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38 ओवर में 175 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं! गर्वित चौधरी ने सर्वाधिक 57 रनों का योगदान दिया। केबी रॉयल्सक्रिकेट अकादमी की ओर से मयंक और मनीष ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी 33 ओवर में 128 रन पर ऑल आउट हो गई! अर्णव कौशिक ने सर्वाधिक 27 रनों का योगदान दिया। आर आर क्रिकेट अकादमी की ओर से दिव्यदर्शन ने 4 और कर्मवीर चाहर ने 3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच दिव्यदर्शन को चुना गया।

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

अंडर-13 पिंकसिटी कप में अरावली क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 140 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं। कुणाल ने 62 और प्रखर गुप्ता ने 34 रनों का योगदान दिया। जानकी नंदन क्रिकेट अकादमी की ओर से प्रद्युमन शर्मा और याया खान ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जानकी नंदन क्रिकेट अकादमी 34 ओवर में 96 रन पर ऑल आउट हो गई। यश कुमार सैनी ने 26 और दिलशान खान ने 22 रनों का योगदान दिया। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से हर्षित ने चार और रामनिवास ने दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच हर्षित को चुना गया।

जयवर्द्धन का शतक व हेमेंद्र सिंह, चिराग सुखवाल, शुभम, दिव्यांश, भव्य कारा, नावेद की शानदार गेंदबाजी

जयपुर, 10 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के आज जयपुर में खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर :-

नारायणा ग्राउंड चूरू -बीकानेर (बीकानेर 9 विकेट से जीती)

चूरू पारी 111 आल आउट, टीम के लिए सचिन 29 रन, बीकानेर की गेंदबाज रोहित 14 /3 , गुरमन , सचिन प्रत्येक 2 -2 विकेट। बीकानेर पारी 112/1, टीम के लिए सचिन लखेसर 84 व सक्षम 19 रन

के एल सैनी स्टेडियम जयपुर - भरतपुर (जयपुर 111 रन से जीती), जयपुर पारी 213 आल आउट, टीम के लिए शिफॉन कहाँ 62, अभय शर्मा 40, मनय 23 व पर्व 20 रन। भरतपुर के गेंदबाज जगदम्बिका पाल 32/3, कुश, अनुज प्रत्येक 2 -2 विकेट। भरतपुर पारी 102 आल आउट। टीम के लिए अभय राज 30 रन। जयपुर के गेंदबाज प्रखर शर्मा 16 /3 व कार्तिक 23 /3 विकेट।

सोनी ग्राउंड नागौर - झुंझनू (नागौर 35 रन से जीती) नागौर पारी 205 आल आउट, टीम के लिए साहिल 44 व धर्मेंद्र 40 रन। झुंझनू के गेंदबाज मयंक 30 /3 विकेट, झुंझनू पारी 170 आल आउट। टीम के लिए गोविन्द 36 रन। नागौर के गेंदबाज रचित 23/3 व राघव 31/3।

पी एस ग्राउंड श्रीगंगानगर - बूंदी (श्रीगंगागनगर 166 रन से जीती), श्रीगंगानगर पारी 286 आल आउट। टीम के लिए मनन सिंह 83 व ओसनिक ग्रोवर 80

रन, बूंदी के गेंदबाज भव्य कारा 57 /4 विकेट। बूंदी पारी 120 आल आउट। टीम के लिए निशांत 39 रन, श्रीगंगानगर के गेंदबाज हर्षित शर्मा 41/5 व शिवम् 14/4 विकेट।

सवाई मान सिंह स्टेडियम कोटा - सीकर (सीकर 4 विकेट से जीती), कोटा पारी 226 आल आउट। टीम के लिए अभिनन्दन 53 , भूपेंद्र 50 , ऋतिक 42 व कुंदन 29 रन। सीकर के गेंदबाज अभिषेक सूद 37/4 , भव्य राज 47/3 व देवेंद्र 40/2 विकेट। सीकर पारी 229 /6, टीम के लिए अनितराज मंडिया 96, देवांश स्वामी 44, सुनिल 9 व भव्य राज नाबाद 18 रन। कोटा के गेंदबाज दिनेश भट , आशीष व अमन प्रत्येक 2 -2 विकेट।

जी आर ग्राउंड जालोर - धौलपुर (जालोर 40 रन से जीती), जालोर पारी 208 आल आउट, टीम के लिए मनीष कुमार 54 रन। धौलपुर के गेंदबाज हर्ष 17 /3 व युवराज 35 /3 विकेट। धौलपुर पारी 168 आल आउट, टीम के लिए तरुण 51 व रजत 46 रन, जालोर के गेंदबाज यशोवर्धन, मनीष, कुर्बान, जय वैष्णव प्रत्येक 2 -2 विकेट।

अनन्तम ग्राउंड अजमेर -प्रतापगढ़ (अजमेर 163 रन से जीती), अजमेर पारी 292/7, टीम के लिए समीर 86 , वीरेंदर 78 व कृष्णेन्द्र 40 रन, प्रतापगढ़ के गेंदबाज जीतेन्द्र 43/2 व फरहान 68/2 विकेट। प्रतापगढ़ पारी 129 आल आउट। टीम के लिए सतवीर 33 , कीर्तन 29 व नविन शर्मा नाबाद 26 रन। अजमेर के गेंदबाज शुभम 8/4, राजवर्धन, पलांश चतुर्वेदी प्रत्येक 2 -2 विकेट।

सोलफील ग्राउंड राजसमंद - चित्तोड़ (राजसमंद 14 रन से जीती), राजसमंद पारी 117 आल आउट। टीम के लिए जीतेन्द्र 53 व वंश 21 रन, चित्तोड़ के गेंदबाज वंश घरवारी 0/2 विकेट। चितोड़ पारी 103 आल आउट टीम के लिए वंश 29 रन। राजसमंद के गेंदबाज आरव 8/3 व अरविन्द 14/3 विकेट।

ए आर ग्राउंड हनुमानगढ़ - बांसवाड़ा (हनुमानगढ़ 159 रन से जीती), हनुमानगढ़ पारी 326 आल आउट। टीम के लिए गगनदीप 83 , नमन 46 व हिमांशु 39 रन

बांसवाड़ा के गेंदबाज नयन 49/4 , क्रुणाल 50/3 बांसवाड़ा पारी 167/8, टीम के लिए पुखराज 33 , क्रुणाल 31 रन। हनुमानगढ़ के गेंदबाज विश्वास 19/3 विकेट।

लक्ष्य ग्राउंड सिरोही - अलवर (अलवर 7 विकेट से जीती), सिरोही पारी 175 आल आउट। टीम के लिए कीर्तन सिंह 50 रन। अलवर के गेंदबाज पियूष 18/3 , जगृत 32/2 व हैप्पी 26/2 विकेट। अलवर पारी 179 /3, टीम के लिए दीपेश 86 व मानव 53 रन।

पी एस ग्राउंड 2 बाड़मेर - झालावाड़ (बाड़मेर 107 रन से जीती), बाड़मेर पारी 238/8, टीम के लिए प्रयास पूनिया 77, कृष्णा कुमार गुप्ता 46 व दिनेश 30 रन। झालावाड़ के गेंदबाज नावेद 61/4, झालावाड़ पारी 131 आल आउट। बाड़मेर के गेंदबाज जगदीश 15/3 , प्रयास व मदन प्रत्येक 2 -2 विकेट।

संस्कार ग्राउंड सवाई माधोपुर - डूंगरपुर (सवाईमाधोपुर 88 रन से जीती), सवाईमाधोपुर पारी 224 आल आउट। टीम के लिए साहिब अभिचंदानी 78 , मयंक 58 व कृष्णा कुमार 29 रन। डूंगरपुर के गेंदबाज हेमेंद्र सिंह 38 /5 व दक्ष जैन 14 /3 विकेट। डुंगरपुर पारी 136 आल आउट। टीम के लिए दक्ष परशुराम भावसार 37, लोकेश शर्मा 19 व दक्ष जैन 16 रन। सवाईमाधोपुर के गेंदबाज कृष्ण कुमार 24/3 व साहिब 22/3 विकेट।

बरवाल ग्राउंड उदयपुर - दौसा (उदयपुर 26 रन से जीती), उदयपुर पारी 143 आल आउट। टीम के लिए कोहान कोठारी 42, राज कोठारी 37 व कुणाल मेनारिया 16 रन। दौसा के गेंदबाज शानू अवस्थी 17 /3 व सौरव 20/3 विकेट। दौसा पारी 117 आल आउट टीम के लिए लीलाधर 53 रन। उदयपुर के गेंदबाज रोहन मेनारिया 13/3 , गर्वित 25/3 , रेहान 19/2 विकेट।

एस आर ग्राउंड भीलवाड़ा - करौली (भीलवाड़ा 262 रन से जीती), भीलवाड़ा पारी 352/6, टीम के लिए जयवर्धन सिंह गहलोत 114, कुशाग्र ओझा 88 व सुर्यवद्धर्न 85 रन। करौली के गेंदबाज विकास 90/3 करौली पारी 90 आल आउट, टीम के लिए अमित भरद्वाज 26 रन। भीलवाड़ा के गेंदबाज चिराग सुखवाल 14/5 ,दिव्यांश 44/4 विकेट।

सितंबर पोलो सीजन 2025 जयपुर जूनियर अंडर-21 (आउट ऑफ हैट) जयगढ़ ने नाहरगढ़ को हराया

जयपुर, 10 सितम्बर। रामबाग पोलो ग्राउंड पर आज से शुरू हुए सितम्बर पोलो सीजन 2025, जयपुर जूनियर अंडर 21 (आउट ऑफ हट) के पहले मैच में जयगढ़ ने नाहरगढ़ को 4.5 के मुकाबले 5 गोल से हराया। जयगढ़ टीम की ओर से कुलवर्धन सिंह ने 1, और दिव्यमान सिंह दूजोड ने अपनी टीम के लिए 4 गोल कर जीत पक्की की। वहीं आधे गोल का हैंडीकैंप लेकर खेल रही नाहरगढ़ टीम की ओर से विवान मेहता और संजुला मान ने 2-2 गोल किये।

अंडर-16 ट्रायल 13 को

जयपुर, 10 सितंबर। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा जयपुर की अंडर -16 चैलेंजर ट्रॉफी आयोजित करने के लिए चयन ट्रायल 13 सितंबर को प्रातः 9 बजे के एल सैनी स्टेडियम पर आयोजित की जाएगी।

जयपुर पिंक पैंथर्स के नितिन कुमार का गोल्डन रेड जीत के बाद बयान

दबाव की स्थिति में संयम और अपनी तैयारी पर भरोसा

जयपुर, 10 सितंबर। जयपुर पिंक पैंथर्स मंगलवार को विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में गुजरात जायंट्स को रोमांचक टाई-ब्रेकर गोल्डन रेड में हराने के बाद अब जयपुर में अपने होम लेग में जीत की लय के साथ उतरेंगे। दो बार की चैम्पियन टीम ने यह अहम जीत दर्ज की, जिसमें स्टार रेडर नितिन कुमार ने 15 अंक जुटाए और आखिरी गोल्डन रेड में जीत पक्की की। नितिन कुमारने कहा कि यह जीत दबाव की स्थिति में संयम और अपनी तैयारी पर भरोसा रखने का नतीजा है। उन्होंने कहा, कोच ने मुझे खुलकर खेलने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने को कहा था। मैंने बस उसी पर ध्यान दिया और वही हमारे लिए निर्णायक साबित हुआ। हेड कोच नरेंद्र रेड्डू ने टीम के अनुशासन की तारीफ की, खासकर विरोधी कप्तान मोहम्मदरेज़ा शाडलुई को रोकने में। उन्होंने कहा, हमारी रणनीति साफ थी और लड़कों ने उस पर अमल किया। नितिन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और यही हमें इस कड़े मुकाबले में बढ़त दिला गया। रेड्डू ने टीम के युवा खिलाड़ियों को मौके देने की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, कई खिलाड़ी अभी भी लीग की रफ्तार के साथ तालमेल बैठा रहे हैं, लेकिन उनका प्रयास और समर्पण शानदार रहा है। हर मैच में उन्होंने लड़ाई दिखाई है और यह आगे के लिए उत्साहजनक है।

आगामी होम लेग को लेकर नितिन ने कहा कि पिंक पैंथर्स इस लय को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ऐसे करीबी मैच में जीत हमें आत्मविश्वास देती है। अब हम जयपुर लौट रहे हैं और अपने फैन्स के सामने खेलना हमें और ज्यादा जोश देगा। रेड्डू ने भी फैन्स के समर्थन को अहम करार दिया। उन्होंने कहा, यह जीत हमें जयपुर लेग के लिए सही स्थिति में लेकर जाती है। हमारे समर्थकों की ऊर्जा बेहद महत्वपूर्ण होगी और हम उन्हें गर्व महसूस कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दो जीत और दो हार के साथ, पिंक पैंथर्स अब अपने घरेलू मैदान के फायदे को सीजन के बाकी हिस्से के लिए एक मजबूत शुरुआत में बदलने की कोशिश करेंगे।

With deep sorrow and grief we mourn the passing away of our beloved mother

Abayam Krishnamurthy

January 4, 1935 - September 10, 2025

Last rites September 10th, 2025 at Antim Nivas, Sector 94, Noida at 1:30pm

In Grief
K.Srinivasan-Renu Mittal (Rashtradoot) | Nayantara
Mohan-Suchitra | Siddhartha-Shweta
Ravishankar-Usha | Dhruv | Gaurav

MUNICIPAL COUNCIL, NIMBAHERA DIST.- CHITTAURGARH

S. No. :- MCN/25-26/3663 Date :- 04/09/2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 16 /2025-26 of Municipal Council Nimbahera are invited from interested bidders up to date 17-09-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in)** of the state govt. **UBN No. – DLB2526WSOB16765**

Commissioner, Municipal Council Nimbahera

Raj.Samwad/C/25/9599

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/राजकाज 17574619 दिनांक :- 08/09/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 30/2025-26

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से कार्य कन्सलटेन्सी अनुमानित लागत राशि 640.91 लाख की ई-निविदा दिनांक 18.09.2025 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।

UBN No. :- AJD2526SLOB00130, AJD2526WSOB00126-129, 131, 132

राज.संवाद/सी/25/9567 **अधिशाषी अभियन्ता**

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभास्मि शशि सूर्ययोः

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर
टेलीफैक्स : 0141 - 2201489, ई-मेल: zcejz@jvvnl.org

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के दक्षिण जयपुर शहर वृत्त के अधिकार क्षेत्र में एईएन (एचटीएम-VI), के अंतर्गत जयपुर में 220 केवी वाटिका जी.एस.एस से नया प्रस्तावित 33 केवी फीडर षिकारपुरा खींचने का कार्य टीएन-145 के तहत एआरसी रेट 2025 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई - प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** पर दिनांक 12.09.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई- पोर्टल पर दिनांक 23.09.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है। **UBN : VVN2526WSOB00172**

राज.संवाद/सी/25/9614 जेपीआर - 3055 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय नगर पालिका निवाई

क्रमांकः-न.पा.नि./निर्माण/2025-26/7325 दिनांकः- 04.09.2025

ई-बोली सूचना संख्या :- 27/2025-2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के संबंधित श्रेणी में "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व 'http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है :-

बोली का कार्य	: NIB Code:- DLB2526A5470 (कुल 2 कार्य)
Unique Bid Number	: DLB2526WLOB16693 DLB2526WSOB16695
बोली की कुल लागत	: Rs 736.20 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
बोली जारी करने की दिनाक	: दिनांक 05.09.2025 को 13:00 बजे से
बोली दस्तावेजो को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	: दिनांक 05.09.2025 को 13:00 बजे से
प्री बिड मिटिंग	: दिनांक 11.09.2025 को अपराह 01:00 बजे नगर पालिका निवाई कार्यालय में
ऑन लाईन बोली जमा कराने की अन्तिम दिनांक	: दिनांक 24.09.2025 सायं 18.00 बजे तक
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	: दिनांक 25.09.2025 को अपराह 12:00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	: Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	: 120 Day

अध्यक्ष नगर पालिका निवाई — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका निवाई

राज.संवाद/सी/25/9488

कार्यालय नगरपालिका आकोला जिला चित्तौड़गढ (राजस्थान)

क्रमांक/न.पा.आ./दशहरा मेला/2025-26/1432-1434 दिनांक :- 08.09.2025

प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

नगरपालिका आकोला द्वारा दशहरा मेला-2025 दिनांक 29.09.2025 से 02.10.2025 तक आयोजित किया जा रहा है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु दशहरा मेला 2025 में आयोजित किये जाने वाले निम्न कार्यक्रम हेतु सुयोग्य फर्मो/इवेन्ट कम्पनी/लोक कला मण्ड़लों इत्यादि से प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। उक्त विज्ञप्ति एवं शर्ते पोर्टल/वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in के NIB CODE: DLB2526A5541 पर देखी जा सकती हैं।

आरकेस्ट्रा कार्यक्रम

उक्तानुसार प्रस्ताव नगरपालिका आकोला जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) कार्यालय में व्यक्तिगत रुप से दिनांक 12.09.2025 से दिनांक 15.09.2025 तक प्राप्त किये जायेगें। उक्त अवधि पश्चात् प्राप्त प्रस्तावों पर विचार नही किया जायेगा।

अतः प्रस्तावक अपने प्रस्तावों के साथ अनुभव प्रमाण पत्र एवं पुर्व में धार्मिक स्थलों/मेला/उत्सव इत्यादि में प्रस्तुत किये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विडियों/डीवीडी/फोटो एल्बम/प्रमाण पत्र आदि सहित निर्धारित स्थल एवं समय पर व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होवें।

शर्ते :-

1 इवेन्ट कम्पनी/कलाकार/फर्म आदि जिस नाम से प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी उसी नाम से भुगतान आर.टी.जी.एस./नेफ्ट/ऑनलाईन द्वारा कार्यक्रम समापन उपरान्त सीधे बैंक खाते में किया जायेगा। अतः तद्नानुसार प्रस्ताव बैंक खाता, आई.एफ.एस.सी. कोड़ विवरण प्रस्तुत करें।
2 इवेन्ट कम्पनी/कलाकार/फर्म द्वारा प्रस्तुत दर/राशि में सभी प्रकार के चार्जेज व कर सम्मिलित करने होगें। नगरपालिका आकोला द्वारा किसी प्रकार के अतिरिक्त कर/शुल्क/परिवहन शुल्क, ठहरने का शुल्क/भोजन चाय नाश्ता आदि का भुगतान नही किया जायेगा। अतः समस्त व्यय/करों को जोड़कर प्रस्ताव प्रस्तुत करें।
3 स्वीकृत दर/राशि में से नगरपालिका आकोला द्वारा नियमानुसार आयकर तथा अन्य कर काटकर जमा करवाया जायेगा तथा अन्य सभी करों की जिम्मेदारी स्वयं इवेन्ट कम्पनी/कलाकार/फर्म की होगी।
4 प्रस्ताव को स्वीकर/अस्वीकार करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित होगा।
5 किसी प्रकार का विवाद होने पर न्यायिक क्षेत्र कपासन होगा।
6. डाक अथवा सशर्ते प्राप्त प्रस्ताव स्वीकार्य नही होगें।

राज.संवाद/सी/25/9635 **अधिशाषी अधिकारी**

कांग्रेस सस्ती लोकप्रियता के लिए सदन का समय बर्बाद कर रही है - भजन लाल

मुख्यमंत्री ने कहा, जब प्रदेश आपदा से जूझ रहा था तब कांग्रेस विधायक कहाँ थे

- **कांग्रेस विधायकों ने कैमरों को "निगरानी टूल" बताया और आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष इससे विपक्ष की गतिविधियों पर नज़र रखना चाहता है।**

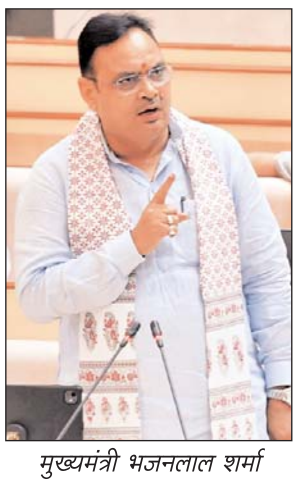

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 10 सितंबर। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र में सोमवार को उस वक्त भारी हंगामा हुआ, जब सदन में लगे अतिरिक्त कैमरों को लेकर विपक्ष ने सरकार पर जासूसी के आरोप ल गाए। कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कैमरों को जासूसी उपकरण बताया और कहा कि यह विपक्ष की निजता में दखल और लोकतंत्र का उल्लंघन है।

कैमरा विवाद पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विपक्ष पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस को प्रदेश की 8 करोड़ जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं, वह सिर्फ सस्ती लोकप्रियता के लिए सदन का समय बर्बाद कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, कि विपक्ष का यह व्यवहार न केवल सदन की गरिमा के खिलाफ है, बल्कि जनता के साथ विश्वासघात भी है। जब प्रदेश आपदा से जूझ रहा था, तब कांग्रेस के विधायक कहां थे? न राहत कार्यों में सहयोग दिया, न पीड़ितों के पास गए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जब सदन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए चल रहा है, तब विपक्ष कैमरों की संख्या गिनने में व्यस्त है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि सदन में लगे कैमरे सिर्फ वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए हैं, उनमें ऑडियो रिकॉर्डिंग की कोई सुविधा नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब कैमरे अपग्रेड किए गए, तब उसकी जानकारी विपक्ष को क्यों नहीं दी गई? उन्होंने पूछा कि जब सदन स्थगित होता है, तब भी कैमरे क्यों चालू रहते हैं? क्या इनसे यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम होता है और यह किसके आदेश पर हो रहा है?

कांग्रेस विधायकों ने कैमरों को "निगरानी टूल" बताते हुए आरोप लगाया कि इससे सत्ता पक्ष, विपक्ष की गतिविधियों पर नजर रखना चाहता है, जो कि लोकतांत्रिक प्रणाली में अस्वीकार्य है।

मॉरीशस के प्र.मंत्री का वाराणसी में भव्य स्वागत

वाराणसी, 10 सितंबर । मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम बुधवार शाम तीन दिवसीय यात्रा पर काशी पहुंचे। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सड़क मार्ग द्वारा वे होटल ताज पहुंचे। रास्ते में छह स्थानों पर स्वागत प्वाइंट बनाए गए थे, जहां काशीवासियों और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

हवाई अड्डे पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना ने उनका स्वागत किया। गिलट बाजार में मॉरीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत में आजमगढ़ के कलाकारों लिल्ली घोड़ी धोबिया नृत्य पेश किए तो स्कूली बच्चों ने विभिन्न रूपों में दोनों देशों के फ्लैग के साथ खड़े होकर स्वागत किए।

जयपुर व उदयपुर के पर्यटक काठमांडू व पोखरा में फंसे

पोखरा शहर में पर्यटकों के सामने भीड़ ने एक होटल को फूंक दिया

- **काठमांडू में फंसे यात्रियों ने बताया कि भारतीय दूतावास के निर्देश पर वे सब होटल के अंदर ही हैं। वहां जयपुर और भीलवाड़ा के लोग भी हैं।**

उदयपुर, 10 सितम्बर। नेपाल में 8 सितंबर से हो रहे हिंसात्मक आंदोलन में 4 हजार से ज्यादा राजस्थानी फंसे हुए हैं। इन लोगों ने सरकार से भी मदद मांगी है। इनमें से अधिकतर पर्यटक हैं। इनमें 700 पर्यटक जयपुर के और 35 पर्यटक उदयपुर जिले के भी हैं।

इनमें उदयपुर के एक भाजपा नेता भी हैं, जो पोखरा शहर के एक होटल में परिवार के साथ फंसे हैं। उदयपुर के भाजपा नेता अनिल सिंघल ने बताया कि वे काठमांडू से करीब 500 किलोमीटर दूर पोखरा शहर में फंसे हैं। हमारे सामने आगजनी की घटनाएं हुईं। एक होटल को आग के हवाले कर दिया गया। हम दूतावास के संपर्क में हैं।

इधर काठमांडू में उदयपुर से गया 31 लोगों का एक और ग्रुप फंसा हुआ है। एयरपोर्ट बंद होने से वे लोग निकल नहीं पा रहे हैं। उदयपुर से गए ग्रुप के मेंबर भगवतीलाल मेनारिया ने बताया कि वे स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। मेनारिया ने बताया कि वे भारतीय दूतावास से संपर्क में हैं और वहां से उन्हें यही निर्देश दिए गए हैं कि वे अभी जहां हैं, वहीं रुकें और इंतजार करें। ऐसे में वे सब अभी होटल के अंदर ही हैं और स्थितियों के सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वहां पर जयपुर और भीलवाड़ा के लोग भी हैं।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस नेता और वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने भी यही चिंता दोहराई। एक अलग दलील में सिंघवी ने चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा पर दोहरी वोटिंग के आरोपों को लेकर जल्दबाज़ी में कार्रवाई न करे, क्योंकि यह बनावटी मामला है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह पहला अवसर है, जब सुप्रीम कोर्ट ने भारत की आंतरिक संवैधानिक तनातनी को क्षेत्रीय घटनाओं से सीधे जोड़ा है। जिस समय पर यह टिप्पणी की गई है, वो समय भी अहम है। ऐसे समय पर, जबकि कई राज्य विधानसभाएँ राज्यपालों पर विधेयक रोकने की शिकायत कर रही हैं, सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी विपक्षी दलों को मज़बूत कर सकती है और केन्द्र को घेर सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नेपाल का ज़िक्र मोदी सरकार के लिए एक कड़ी चेतावनी है कि अगर संस्थागत गतिरोध पर काबू न पाया गया तो इसके, सामान्य राजनीतिक विवादों से कहीं अधिक अस्थिर करने वाले परिणाम हो सकते हैं।

पोलैण्ड ने रुस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"कोअलिशन ऑफ़ द विलिंग" नाम का समूह बनाया है। इसमें ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे बड़े देश शामिल हैं, जिन्होंने यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी के तौर पर वहाँ सैनिक तैनात करने का प्रस्ताव दिया है। इसके जवाब में रूस ने चेतावनी दी और सुनियोजित ढंग से रात के हमलों को और तेज़ कर दिया। रविवार को हुए ताज़ा हमले में पुतिन के हवाई हमलों ने सरकारी इमारतों और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे आम लोगों को भारी नुक़सान हुआ।

पुतिन अमेरिकी राष्ट्रपति को भी चुनौती दे रहे हैं, जिन्होंने बार-बार पुतिन को गंभीरता से बातचीत की मेज़ पर आने और हमले कम करने की समय सीमा दी थी। तथापि, डॉनल्ड ट्रंप रुस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने तथा बातचीत की मेज पर लाने के लिए और कड़े प्रतिबंध लगाने से बचते रहे हैं।

भारत पर सैकैण्डरी सैंक्शन्स लगाने के अलावा, ट्रंप ने कभी चीन या यूरोपीय देशों पर वैसी पाबंदियाँ लगाने की हिम्मत नहीं की, जो अब तक रूस का तेल और ऊर्जा खरीदते रहे हैं। चीन ने भी ट्रंप की धमकियों को नाकाम कर दिया और ज़रूरी सामग्रियों की आपूर्ति रोकने की धमकी दी।

अब ट्रंप यूरोपीय देशों से गुज़ारिश कर रहे हैं कि वे चीन और भारत पर खुद ही सैकेण्डरी सैंक्शन्स लगाएँ, वह भी और कठोर, क्योंकि ये दोनों रूस का तेल खरीदते रहे हैं। रूस से तेल ख़रीदने वाले कई अन्य देशों के ख़िलाफ़ ट्रंप द्वारा मज़बूत कदम नहीं उठाने से पुतिन और भी निडर हो गए हैं।

इस बीच, चीन किनारे बैठा यह पूरा संघर्ष देख रहा है और साफ़ तौर पर रूस का समर्थन कर रहा है। किनारे खड़े कुछ लोग भारत से मध्यस्थता की अपील कर रहे हैं, लेकिन अमेरिका द्वारा भारत के साथ किए गए रुखे व्यवहार को देखते हुए इसकी संभावना बहुत कम है।

अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका से जुड़े माने जाते हैं। इन सब तथ्यों को देखकर ऐसा लगता है कि यह पूरा घटनाक्रम "एक सुव्यवस्थित शासन परिवर्तन की कोशिश" का हिस्सा है।

द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में सारण को सशर्त जमानत

जयपुर, 10 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक मामले में उदयपुर के बेकरिया थाने में दर्ज एफआईआर में आरोपी भूपेन्द्र सारण को जमानत पर सशर्त रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश भूपेन्द्र सारण की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने आरोपी को कहा है कि वह मुकदमे की ट्रायल पूरी होने तक हर माह के दूसरे और चौथे शनिवार को संबंधित थाने में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। वहीं, संबंधित थानाधिकारी उसकी उपस्थिति का एक रजिस्टर संधारित करेंगे और उसकी उपस्थिति रिपोर्ट बिना देरी संबंधित कोर्ट में पेश करेंगे। अदालत ने संबंधित निचली अदालत को कहा है कि आरोपी को जमानत पर रिहा करने से पहले, थानाधिकारी के जरिए जमानती का पता और संपर्क नंबर का सत्यापन करेंगे।

बीकानेर में कांग्रेस नेता के घर पर लॉरेंस गैंग का हमला

कुछ दिन पहले कांग्रेस नेता से फोन पर रोहित गोदारा के नाम से 5 करोड़ रु. रंगदारी मांगी गई थी

- **लॉरेंस गैंग के हैरी बॉक्सर ने अपने सोशल मीडिया अकाउन्ट पर हमले की जिम्मेदारी ली।**

बीकानेर, 10 सितम्बर। यहां कांग्रेस नेता धनपत चायल और व्यापारी सुखदेव चायल के घर पर बदमाशों ने सात राउंड फायरिंग की। इससे घर में लगे कांच टूट गए। दरवाजे, दीवार, खिड़कियों पर गोलियों के निशान भी मिले हैं। धनपत और सुखदेव सगे भाई हैं।

जानकारी के अनुसार, बुधवार अलसुबह चार बजे हुई इस वारदात की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग के गैंगस्टर हैरी बॉक्सर ने ली है। उसने घटना की जिमेवारी ली और सोशल मीडिया पर लिखा, अब सीधे सीने पर गोली मारेंगे। सादुलगंज क्षेत्र में बुधवार सुबह हुई घटना की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी सौरभ तिवाड़ी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने गोलियों के निशान और अन्य साक्ष्य जुटाए। सीसीटीवी फुटेज में हेलमैट पहने दो युवक बाइक पर सवार दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में फायरिंग की आवाज़ भी साफ सुनाई दे रही है। हैरी बॉक्सर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है कि इस हमले की जिम्मेदारी मैं हैरी बॉक्सर और सुंदर हंसी, हम दोनों भाई लेते हैं। ये फायरिंग हमने करवाई है। इसको हमारे फोन की रिंग सुनाई नहीं दे रही थी, इसलिए हमने ये छोटी सी वॉर्निंग दी है। आगे टाइम रहते लाइन पर आ जाएगा ये, वर्ना आगे अब सीधे सीने में गोली मारेंगे। सुखदेव चायल के भाई और कांग्रेस नेता धनपत चायल ने बताया कि कुछ दिन पहले एक फोन आया था, जिसमें कॉलर ने खुद को रोहित गोदारा बताते हुए 5 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी थी। धनपत के मुताबिक, कॉलर ने धमकी दी कि उसे, उनकी और उनके भाई की हर गतिविधि की जानकारी है और रंगदारी न देने पर जान से मारने की चेतावनी दी थी। धनपत चायल बीकानेर में यूथ कांग्रेस के पूर्व शहर जिलाध्यक्ष पद पर रहे हैं।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करेगा। इसके तहत हेल्पलाइन नंबर और व्हाट्सएप सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। नेपाल में रह रहे भारतीय नागरिक किसी भी प्रकार की सहायता के लिए राजस्थान पुलिस मुख्यालय के कानून-व्यवस्था कार्यालय में स्थापित विशेष सेल से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 0141-2740832 और 0141-2741807 जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, व्हाट्सएप नंबर 9784942702 पर भी सहायता के लिए संदेश भेजा जा सकता है।

नकल कर सुपरवाईज़र बनी महिला गिरफ्तार

जयपुर,10 सितंबर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम ने कार्रवाई करते हुए, सुपरवाइजर (महिला अधिकारिता) भर्ती परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल कर सुपरवाईजर बनी आरोपित महिला को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि एसओजी की टीम ने सुपरवाईजर (महिला अधिकारिता) भर्ती परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल कर सुपरवाइजर बनी आरोपित महिला मंजू कुमारी निवासी मुक्ता प्रसाद नगर जिला बीकानेर हाल सुपरवाइजर महिला अधिकारिता बज्जू जिला बीकानेर को गिरफ्तार किया है। आरोपित मंजू कुमारी ने सुपरवाइजर महिला अधिकारिता भर्ती 2018 की लिखित परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल करवाने वाली गैंग की मदद ली थी और ब्लूटूथ डिवाइस से प्रश्न पत्र हल किया। आरोपित को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया। आरोपित महिला मंजू कुमारी से उक्त भर्ती परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल कराने वाले गिरोह के संबंध में पूछताछ की जा रही है। एसओजी द्वारा अब तक उक्त प्रकरण में 8 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

क्या नेपाल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **जैनरेशन ज़ैड आंदोलन के नेता सेना के मुख्यालय जंगी अड्डा में अंतरिम सरकार के नेतृत्व के बारे में विचार - विमर्श कर रहे हैं।**

कई मंत्रियों के आवासों में आग लगा दी। काठमांडू समेत कई अन्य क्षेत्रों में आगजनी और लूटपाट जैसी घटनाएं हुईं। ओली के इस्तीफे के बाद अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि इस हिमालयी राष्ट्र की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कौन करेगा।

एक एनजीओ "हामी नेपाल" से जुड़े सुदीप गुरुङ जो इस आंदोलन के नेता है, ने नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रही सुशीला कार्की का नाम प्रस्तावित किया। कार्की को पहले राजनीतिक नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के चलते महाभियोग का सामना करना पड़ा था, लेकिन वह प्रयास बाद में छोड़ दिया गया।

हालांकि, उनके नाम पर रवि लामिछाने की पार्टी 'राष्ट्रिय स्वन्त्र पार्टी' (आरएसपी) सहित अन्य दलों की सहमति भी लेनी होगी।

सूत्रों के अनुसार, जस्टिस कार्क्र इस पद की सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं, हालांकि वार्ताएं अभी चल रही हैं। भद्रकाली, काठमांडू स्थित जंगी अड्डा (सेना मुख्यालय) में बुधवार को जैनरेशन ज़ैड प्रदर्शनकारियों और उनके सहयोगियों की बैठक हुई, जिसमें अंतरिम सरकार के संभावित नेताओं पर चर्चा की गई। काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह अर्थात रैपर से नेता बने 35 वर्षीय बालेन भी प्रमुख दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने जैनरेशन ज़ैड नेताओं के फोन कॉल्स का जवाब नहीं दिया।

सुमना श्रेष्ठा युवा वर्ग में लोकप्रिय नेता ने आरएसपी से अपने जुड़ाव का हवाला देते हुए यह प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया। धरान के मेयर हर्का सम्पर्क ने भी नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए अपनी तत्परता जाहिर की।

सागर धकाल- जिन्होंने संघीय चुनावों में शेर बहादुर देउबा के खिलाफ चुनाव लड़ा था, ने भी कहा कि वह जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं, लेकिन फिलहाल धनगड़ी में फंसे हुए हैं।

कुलमान घिसिंग- नेपाल विद्युत प्राधिकरण के पूर्व प्रबंध निदेशक, जो कल की प्रेस विज्ञिप्त में मेंटॉर के रूप में शामिल थे, एक मार्गदर्शक भूमिका निभा सकते हैं। राष्ट्र बिमोचन तिमल्सेना जो एक लोकप्रिय यूट्ययूबर और पेशे से वकील हैं, उन्होंने कहा कि यदि कोई उपलब्ध नहीं हुआ, तो वह नेतृत्व करने को तैयार हैं। इस बीच, सेना ने काठमांडू में गुरुवार शाम 6 बजे तक कर्फ्यू लागू कर रखा है।

दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त नीरज कुमार पर मुकदमा दर्ज करने के आदेश

- **सुप्रीम कोर्ट ने नीरज और सीबीआई निरीक्षक विनोद कुमार पांडे पर मुकदमा चलाने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।**
- **यह मामला उस समय का है जब नीरज सीबीआई के संयुक्त निदेशक थे। आरोप है कि उन्होंने और निरीक्षक पांडे ने एक आई आर एस के भाई को धमकाया व गाली गलौच की थी।**

नयी दिल्ली, 10 सितंबर । उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली पुलिस आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त नीरज कुमार और एक अन्य अधिकारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को बुधवार को मुहर लगा दी।

न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा। यह मामला उस समय का है जअ नीरज सीबीआई संयुक्त निदेशक थे, उन पर और तत्कालीन सीबीआई निरीक्षक विनोद कुमार पांडेय पर एक आईआरएस अधिकारी के भाई विजय अग्रवाल को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के खिलाफ शिकायत वापस लेने के लिए मजबूर करने का का आरोप है। उन पर इसी मामले में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने सहित दुर्व्यवहार और धमकी देने के आरोप हैं।

शीर्ष अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 2006 के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि कथित अपराध वर्ष 2000 में किया गया था और आज तक मामले की जांच की अनुमति नहीं दी गई है। पीठ ने कहा कि मामले की जांच का आदेश देने में उच्च न्यायालय द्वारा प्रयोग किए गए विवेकाधिकार में हस्तक्षेप करने का कोई उचित कारण नहीं। यदि प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध बनता है तो मुकदमा दर्ज करना पुलिस का कर्तव्य है। कुमार ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी,पर सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज़ कर दी।

क्या मुख्यमंत्री महिला रोजगार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **7 सितम्बर को घोषित मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना में हर घर की एक महिला को सरकार अपना काम शुरू करने के लिए दस हजार रु. देगी और 6 माह बाद अगर उसके काम में बेहतर संभावनाएं नज़र आती हैं तो सरकार 2 लाख रु. निवेश करेगी। इस योजना के कारण बिहार की राजनीति में खलबली सी मच गई है।**
- **सवाल यह है कि क्या यह योजना वोट अधिकार की विपक्षी मुहिम को फीका कर देगी।**

2016 में महिलाओं की मांग पर नीतीश कुमार ने बिहार में शराबबन्दी कर दी। भले ही वह नीति विवादास्पद रही हो तथा आलोचकों ने शराब के अवैध व्यापार और राजस्व की हानि के आरोप लगाये हों, लेकिन राजनैतिक रूप से नीतीश कुमार ने एक ऐसे राजनेता की प्रतिष्ठा अर्जित कर ली, जो महिलाओं की ओर विशेष ध्यान देता है।

छात्राओं के लिए साइकिल योजना, स्कूल यूनिफॉर्म, छात्रवृत्ति और स्टाइपेन्ड, और बाद में "जीविका" स्वयं सहायता समूह जैसी योजनाएं, जिनसे आज 1.4 करोड़ से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं, ने नीतीश सरकार को ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। हर नीति का संदेश एक ही था, राज्य आपकी बात ध्यान से सुन रहा है और नीतीश आपके मार्गदर्शक हैं।

इस रणनीति के परिणाम चुनावों में साफ दिखे हैं। 2010 से लगातार बिहार में महिलाएं पुरुषों से अधिक संख्या में मतदान कर रही हैं। 2015 के विधानसभा चुनावों में महिला-पुरुष वोटिंग का अंतर लगभग 4 तक पहुंच गया। 2020 में भी महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ते हुए, बड़ी संख्या में मतदान कर किंगमेकर की भूमिका निभाई। ग्रामीण बिहार में मतदान के दिन महिलाओं की लंबी कतारें अब एक स्थायी तस्वीर बन गई हैं।

ये आंकड़े महिला-केन्द्रित कल्याणकारी योजनाओं के साथ नीतीश के निरन्तर जुड़ाव को दर्शाते हैं। जब अन्य राजनीतिक दल कभी जातिवाद, कभी लोकलुभावन वादों में उलझे रहे, नीतीश ने एक स्थायी महिला-आधारित समर्थन वर्ग तैयार किया, जो राजनीतिक तूफानों में भी उनके साथ खड़ा रहा। उन्होंने गठबंधन भले ही बदले हों, भाजपा का साथ छोड़कर, आर जे डी तथा कांग्रेस के गठबंधन में चले गये हों, या फिर भाजपा के साथ आ गये हों, लेकिन उनकी महिला-केन्द्रित नीतियां निरन्तर जारी रही हैं।

2005 से लेकर 2025 तक, बिहार की राजनीति नीतीश कुमार के इर्द-गिर्द घूमती रही है तथा वे एक साथ, राजनीतिक उत्तरजीवी, रणनीतिकार और स्थिरता का प्रतीक बने रहे हैं।

2005, 2010, 2015, और 2020 हर विधानसभा चुनाव में नीतीश के नेतृत्व वाली गठबंधन की ही सरकार बना है।

2009, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में भी नीतीश ने एनडीए को बड़ी जीत दिलाईं-2009 में 40 में से 32 सीटें, 2019 में 39 सीटें तथा 2024 में 30 सीटें।

2014 का चुनाव छोड़ दें, जब जे डी (यू) ने अकेले लड़कर सिर्फ 2 सीटें जीतीं, लेकिन तब भी 16.04 उसने वोट शेयर हासिल किया। 2020 में जे डी यू केवल 43 विधानसभा सीटें जीत सका था, लेकिन उसका असली जनाधार यथावत बना रहा था।

यह स्थायित्व बताता है कि नीतीश का समर्थन -आधार मुश्किल दौर में भी आसानी से कम नहीं होता। भाजपा के लिए नीतीश सिर्फ बैकअप नहीं, बल्कि एक "फोर्स मल्टीप्लायर" हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908